संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 255
पृष्ठ 8
शुक्रवार
05 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लंच में बच्चों के लिए बनाएं...

विचार- पर्यावरण विमर्श: आत्म-मंथन का...

खेल- ललित मोदी ने 2007 में द्रविड़-सचिन...

पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा

पर्यटन प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम है

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान–विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है। इसलिए पर्यटन विकास को केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान और सेवा क्षेत्र को व्यापक अवसर मिलेंगे। बैठक में भारतीय ज्ञान

परंपरा के संरक्षण से जुड़े 'ज्ञान भारतम् मिशन' की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन पांडुलिपियां भारत की सभ्यता, दर्शन और वैज्ञानिक परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण और डिजिटलीकरण से नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 13.70 लाख से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जा चुका है। पर्यटन नीति–2022 में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने निवेश और अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट विकसित करने के साथ–साथ 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन और वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को प्रोत्साहित करने पर विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव–लोकार्पित नौसेना शौर्य वाटिका और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजनाएं युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को मजबूत करेंगी। वहीं आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय में उनके जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा प्रवास और सुशासन की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। नैमिषारण्य के विकास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे वैदिक ज्ञान, योग, आयुर्वेद और वेलनेस का वैश्विक केंद्र बनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यहां धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। मास्टर प्लान के तहत वेद विज्ञान केंद्र, वैदिक थीम पार्क, रिवरफ्रंट, तीर्थयात्री आवास और इंटरप्रिटेशन सेंटर विकसित किए जाएंगे। मिर्जापुर–विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार हो रहे मास्टर प्लान की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने त्रिकोण परिक्रमा क्षेत्र के समग्र विकास पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शक्तिपीठों के निकट माता सती की पौराणिक कथा का आकर्षक और प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया जाए। बैठक में चित्रकूट स्थित प्राचीन सोमनाथ मंदिर के संरक्षण कार्यों की भी समीक्षा की गई।

राजनाथ सिंह ने जारी किया डीएफपीडीएस-2026 का नया ढांचा

रक्षा खरीद को मिलेगी रफ्तार

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज रक्षा सेवाओं के लिए वित्तीय शक्तियों के नए ढांचे (डीएफपीडीएस–2026) को जारी किया। इसके तहत राजस्व मद से होने वाली रक्षा खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय शक्तियां दी गई हैं। राजनाथ सिंह ने इस पहल के लिए रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे रक्षा खरीद प्रक्रिया अधिक तेज और प्रभावी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था से फील्ड कमांडरों को अधिक अधिकार मिलेंगे। इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी आएगी और सैन्य तैयारियां मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि यह ढांचा रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देगा। साथ ही विदेशी उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई की भागीदारी भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि निर्माण और आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तीय शक्तियों को दोगुना कर दिया गया है। इससे परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास से जुड़ी वित्तीय शक्तियों में भी 100 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करना है। नई व्यवस्था के तहत मौजूदा बजट आवंटन के अनुसार 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रक्षा खरीद को गति मिलेगी। सेना, वायुसेना और नौसेना के कमांडरों को दी गई विशेष वित्तीय शक्तियों में भी वृद्धि की गई है। तत्काल परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुल वित्तीय सीमा को दोगुना किया गया है। नई व्यवस्था में संयुक्त सैन्य खरीद को बढ़ावा देने के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। प्रमुख सेवा के माध्यम से होने वाली संयुक्त खरीद के लिए अधिक वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वित्तीय शक्तियों की अंतिम अधिसूचना वर्ष 2021 में जारी की गई थी। इसके बाद बलों के विस्तार, बढ़ते परिचालन खर्च और बजटीय आवंटन में वृद्धि को देखते हुए संशोधन आवश्यक हो गया था। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने कृषि और शिक्षा नीति पर उठाए सवाल

मोदी सरकार ने अमेरिका के सामने किया सरेंडर

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। सिमकनी में आयोजित पार्टी की जनसभा में खराब मौसम के कारण राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से तो नहीं पहुंच सके, उन्होंने दिल्ली से ही फोन के माध्यम से जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने देश की विदेश नीति, कृषि और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। बृहस्पतिवार को आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अमेरिका के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की विदेश नीति को अमेरिका कंट्रोल कर रहा है। अमेरिका भारत को दबाव में ले रहा है और वह तय कर रहा है कि भारत को किस देश से तेल खरीदना चाहिए और किससे नहीं। विदेश नीति के साथ–साथ कांग्रेस नेता ने सरकार की घरेलू नीतियों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की वर्तमान नीतियों के कारण देश की शिक्षा व्यवस्था और कृषि क्षेत्र गहरे संकट में हैं। नीतियां आम जनता और किसानों के हित में न होकर कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई जा रही हैं। जीएसटी का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि गलत तरीके से लागू की गई इस टैक्स व्यवस्था के कारण देश के छोटे–छोटे कारोबार बंद हो गए। इसके चलते रोजगार खत्म हो गए और पूरा व्यापार कुछ बड़े उद्योगपतियों के हाथों में सिमट कर रह गया है।संबोधन के अंत में राहुल गांधी ने अल्मोड़ा की जनता और कार्यकर्ताओं से वादा किया कि वे निराश न हों, वह बहुत जल्द दोबारा उनके बीच आएंगे। इसके बाद उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया। कार्यक्रम के मंच पर मौजूद कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने खराब मौसम के कारण राहुल गांधी का दौरा रद्द होने की विधिवत घोषणा की और फोन के माध्यम से उनके जुड़ने की जानकारी दी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व सीएम हरीश रावत, विधायक सुमित हृदयेश, मनोज तिवारी, यशपाल आर्या, प्रीतम सिंह, भुवन कापड़ी, हरीश धामी आदि मौजूद रहे।

श्रीनगर में मादक पदार्थ तस्कर की आवासीय इमारत को प्रशासन ने ध्वस्त किया

श्रीनगर,एजेंसी। श्रीनगर में एक मादक पदार्थ तस्कर से जुड़ी अवैध रूप से निर्मित तीन मंजिला आवासीय इमारत को बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर पुलिस ने राजस्व विभाग के सहयोग से रैनावारी के मुमखान मोहल्ले में मादक पदार्थ तस्कर शेख तसद्दुक की इमारत को ध्वस्त किया। प्रवक्ता ने बताया कि इस आवासीय इमारत की कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई थी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ₹नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े अपराधों के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे लगातार अभियान का हिस्सा है। प्रवक्ता के अनुसार, आरोपी अवंतीपोरा और बडगाम में स्वापक औषधि और मनरूप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज कई मामलों में शामिल है। उन्होंने बताया कि तसद्दुक की पत्नी शेख मारूफा भी पुलवामा में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में शामिल है।

टीएमसी में दरार: पार्टी के अंदरूनी कलह पर एनडीए का हमला

ममता के अहंकार और अभिषेक की तानाशाही को बताया वजह

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी को हार मिली थी। अब एक महीने बाद पार्टी के भीतर बगावत देखने को मिली। इस पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी के अहंकार बताया है। इसके साथ ही पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के तानाशाही व्यवहार को जिम्मेदार ठहराया। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार के अनुसार ममता बनर्जी 'अत्यंत अहंकारी' हो गई हैं। आईएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ममता दीदी ने कहा कि जो पार्टी में रहना चाहता है। वह रह सकता है, जो नहीं रहना चाहता। वह जा सकता है। यह अहंकार है। जब किसी व्यक्ति में अहंकार आ जाता है, तब तृणमूल के मेयर और अब तो विधायक भी पार्टी छोड़ने लगे हैं। एक दिन ऐसा भी आ सकता है जब उनके कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारी और यहां तक कि उनके घर के कार्यकर्ता भी यह कहते हुए भाग जाएं कि वह अब उनके कार्यालय या पार्टी के लिए काम नहीं करना चाहते। जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने दावा किया कि श्तृणमूल कांग्रेस का औपचारिक विभाजन हो चुका है। उन्होंने आईएएनएस को बताया, श्ममता बनर्जी अब एक बहुत छोटे समूह की नेता हैं। अभिषेक बनर्जी के तानाशाही व्यवहार के कारण ही यह पूरी स्थिति उत्पन्न हुई है। हालांकि, प्रसाद ने आगे कहा कि अगर ममता बनर्जी तृणमूल को बचाना चाहती हैं, तो उन्हें कुछ बड़े फैसले लेने होंगे। भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने टिप्पणी की कि तृणमूल सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि भ्रष्टाचार, शोषण और सत्ता के दुरुपयोग में लिप्त एक समूह बन गई है। उन्होंने आईएएनएस को बताया, राजनीतिक चेतना से कहीं अधिक, पार्टी एक ही परिवार के प्रति समर्पित थी। अभिषेक बनर्जी को निशाना बनाते हुए शर्मा ने कहा, श्उस परिवार के एक सदस्य ने न केवल राजनीतिक दल का शोषण किया बल्कि अपने फायदे के लिए समाज के सभी वर्गों के साथ अन्याय भी किया। उन्होंने आगे कहा कि तृणमूल नेताओं के एक वर्ग में असंतोष उस व्यवस्था के प्रति असंतोष का परिणाम है, जिसने पश्चिम बंगाल में जंगल राज, अवैध घुसपैठ और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया।

उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने भी इसी तरह का विचार व्यक्त करते हुए कहा तृणमूल में व्याप्त तानाशाही, हिटलर जैसी मानसिकता और गुंडागर्दी से तंग आ चुके लोग पार्टी से अलग हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा, मतदाता भी दूर हो गए हैं। अब जब भाजपा सरकार आ गई है, तो वहां के नेता तृणमूल कांग्रेस के साथ नहीं रहना चाहते। वे राज्य में बदलाव चाहते हैं, इसलिए वे पार्टी छोड़ रहे हैं और अपना अलग गुट बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल के मंत्री और भाजपा नेता दिलीप घोष ने टिप्पणी की यही पार्टी का भविष्य था। उन्होंने पत्रकारों से कहा श्तृणमूल कांग्रेस का नाम मिटा देना चाहिए।

भारत अगले छह महीने में दो से तीन एफटीए लागू करेगा : पीयूष गोयल

नयी दिल्ली,एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अगले छह महीनों में कम से कम दो से तीन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू करेगा, जबकि 2027 में ऐसे तीन से चार और समझौते लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत ने नौ एफटीए को अंतिम रूप दिया है जिनमें मॉरीशस, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, ओमान, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ समझौते शामिल हैं। मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, ओमान और ईएफटीए संघ के साथ व्यापार समझौते पहले ही लागू हो चुके हैं। ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ अलग–अलग समझौते पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। गोयल ने कहा, श्एक जून को ओमान–एफटीए लागू हुआ। आने वाले छह महीनों में आप कम से कम दो या तीन और बहुत महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते लागू होते देखेंगे। अगले एक वर्ष में आप देखेंगे कि हम कम से कम तीन या चार और महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को लागू कर रहे होंगे। अगले नौ से 10 महीनों में सभी नौ मुक्त व्यापार समझौते लागू हो जाएंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार पर साधा निशाना, धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। जेईई (एडवांस्ड) 2026 के उम्मीदवारों का डेटा लीक होने की खबर को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि यह घटना देश की शिक्षा व्यवस्था और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को संभालने वालों की अक्षमता को उजागर करती है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से हटाने की मांग की गई। गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी नेताओं ने कहा कि डेटा लीक की घटना ने छात्रों की गोपनीयता और परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि करीब दो लाख छात्रों के नाम, फोन नंबर और तस्वीरें सार्वजनिक हो गईं, जो साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोर स्थिति को दर्शाता है। रांका ने कहा, ष्जिस देश ने दुनिया की बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का नेतृत्व करने वाले विशेषज्ञ दिए हैं, वहां शिक्षा मंत्रालय और सरकार बुनियादी डिजिटल प्रणालियों को भी सुरक्षित रखने में विफल रही है। शिक्षा मंत्री पूरी तरह जवाबदेही निभाने में असफल रहे हैं। उन्होंने आईआईटी रुड़की के उस स्पष्टीकरण पर भी सवाल उठाया, जिसमें संस्थान ने कहा था कि लीक हुआ डेटा केवल ष्रीड–ओनलीष मोड में उपलब्ध था और उसमें किसी तरह का बदलाव संभव नहीं था। रांका ने कहा कि बिना प्रमाणीकरण के छात्रों की जानकारी तक पहुंच संभव होना ही गंभीर सुरक्षा चूक है।

मंगलवार को आईआईटी रुड़की ने स्वीकार किया था कि जेईई (एडवांस्ड) 2026 के परिणाम पोर्टल में क्लाउड स्टोरेज कॉन्फिगरेशन से जुड़ी समस्या के कारण उम्मीदवारों के रिकॉर्ड और एडमिट कार्ड दस्तावेज बिना प्रमाणीकरण के देखे जा सकते थे। यह खामी एक किशोर साइबर सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा उजागर की गई थी।

केंद्र सरकार का बड़ा दांव, चुनाव से पहले परिसीमन की तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से लंबित परिसीमन विधेयक को फिर से धरातल पर उतारने की सक्रिय कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य साल 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले देश में संसदीय क्षेत्रों के पुनर्गठन की प्रक्रिया को पूरा करना है। इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर सरकार किसी भी टकराव से बचना चाहती है। यही वजह है कि पर्दे के पीछे आम सहमति बनाने का दौर शुरू हो चुका है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ औपचारिक बातचीत शुरू कर दी है। इन चर्चाओं में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और अन्य क्षेत्रीय हितधारक शामिल हैं। इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य संसदीय प्रतिनिधित्व पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर क्षेत्रीय दलों की चिंताओं को दूर करना है। परिसीमन का सीधा मतलब जनसांख्यिकीय बदलावों के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को दोबारा तय करना है। बीते कुछ वर्षों में कई राज्यों ने इस बात पर चिंता जताई है कि नई व्यवस्था से संसद में उनका प्रतिनिधित्व बदल सकता है। इस राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार फूंक–फूंक कर कदम रख रही है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक सभी प्रमुख दलों के बीच एक साझा ढांचा तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसे संसद में पेश नहीं किया जाएगा।

सड़क हादसे में सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव की मौत, देर रात सिविल लाइंस में हुआ हादसा

प्रयागराज। सिविल लाइंस में बुधवार देर रात हुए हादसे में सपा नेता रत्नेश यादव की मौत हो गई। सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव रत्नेश यादव की कार असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल रत्नेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। सिविल लाइंस क्षेत्र में देर रात हुए सड़क हादसे में समाजवादी पार्टी के युवा नेता, कारोबारी और सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव रत्नेश यादव की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार, समर्थकों और समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। हादसा डोसा प्लाजा चौराहा से नेक्सा शोरूम की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। रत्नेश यादव अपनी कार से जा रहे थे तभी वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित पीपल के पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और रत्नेश गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। रत्नेश यादव समाजवादी पार्टी से जुड़े सक्रिय युवा नेता थे और लोहिया वाहिनी में प्रदेश सचिव के पद पर कार्यरत थे। राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण युवाओं के बीच उनकी अच्छी पहचान थी। उनके निधन की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में समर्थक और शुभचिंतक उनके आवास पहुंचने लगे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण वाहन का अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराना बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूखी नहरों ने बढ़ाई किसानों की चिंता, पानी छोड़ने की मांग

प्रयागराज। जून की शुरुआत के साथ ही धान की नर्सरी डालने का समय शुरू हो गया है, लेकिन क्षेत्र की सूखी नहरों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पर्याप्त पानी न होने से धान की नर्सरी समय पर नहीं पड़ पा रही है, जिससे रोपाई प्रभावित होने की आशंका गहरा गई है। शारदा सहायक नहरों में अब तक पानी न छोड़े जाने के कारण करनाईपुर, करकटेपुर, भवानापुर समेत कई छोटी–बड़ी नहरें सूखी पड़ी हैं। किसान राकेश यादव, पुलकित शुक्ला, मनोज कुमार और सतनारायण यादव का कहना है कि हर वर्ष इस समय तक नहरों में पानी आ जाता था लेकिन इस बार अब तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। जिससे धान की नर्सरी और रोपाई प्रभावित हो रही है। कई किसान निजी ट्यूबवेल और डीजल पंप के सहारे सिंचाई करने को मजबूर हैं, जिससे खेती की लागत भी बढ़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार लंबी अवधि वाली धान की किस्मों की नर्सरी समय पर तैयार न होने से रोपाई में देरी होगी। बढ़ती गर्मी और गिरता भूजल स्तर समस्या बढ़ा रहे हैं। ग्रामीणों ने शारदा सहायक नहर खंड–39 में तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग की है, ताकि किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी मिल सके और धान की नर्सरी व रोपाई प्रभावित न हो।

कोचिंग संचालक पर आठ साल की बच्ची से छेड़खानी का आरोप, जमकर हंगामा

प्रयागराज। क्षेत्र के एक मार्केट में बुधवार शाम को एक कोचिंग में पहुंचे लोगों ने जमकर हंगामा किया और संचालक की पिटाई कर दी। आरोप है कोचिंग संचालक ने वहां पढ़ने वाली आठ साल की मासूम के साथ छेड़खानी की है। शिक्षक को हिरासत में ले लिया गया है। वहीं, शिक्षक के समर्थन में कोचिंग में पढ़ने वाले दर्जनों विद्यार्थी भी थाने पहुंच गए और लोगों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया है। क्षेत्र के एक मार्केट में अमेठी का एक युवक कोचिंग चलाता है। बुधवार शाम को उसकी कोचिंग में मोहल्ले के ही आठ साल की मासूम पढ़ने पहुंची। कुछ देर बाद वह घर गई और संचालक पर छेड़खानी का आरोप लगाया। इसके बाद परिजन दर्जनों लोगों के साथ कोचिंग में पहुंचे। कोचिंग संचालक उस समय दो दर्जन से अधिक बच्चों को पढ़ा रहा था। भीड़ हंगामा करते हुए अंदर घुस गई और शिक्षक के साथ मारपीट की। इसके बाद उसे लेकर नैनी थाने पहुंची। यहां मासूम ने अपने मां और पिता की मौजूदगी में शिक्षक पर छेड़खानी का आरोप लगाया। कुछ ही देर में कोचिंग में पढ़ने वाले दो दर्जन से अधिक छात्र शिक्षक के समर्थन में थाने पहुंचे। थाने के सामने भीड़ बढ़ता देख नैनी पुलिस के सिपाहियों ने सभी को गेट के सामने से हटाया। नैनी इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम ने बताया कि शिक्षक को हिरासत में लिया गया है। तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तारी का आधार न बताने पर हत्या के आरोपी को दी जमानत, पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली जताई चिंता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर चिंता जताई है। कहा कि गिरफ्तारी का आधार आरोपी को न बताना और बरामदगी से संबंधित पंचनामा तैयार न करना प्रक्रियात्मक खामी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर चिंता जताई है। कहा कि गिरफ्तारी का आधार आरोपी को न बताना और बरामदगी से संबंधित पंचनामा तैयार न करना प्रक्रियात्मक खामी है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने यह टिप्पणी हत्या के आरोपी संदीप बसोया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

गाजियाबाद निवासी याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी को लिखित रूप से गिरफ्तारी के आधार उपलब्ध नहीं कराए गए। साथ ही उसके कथित खुलासे पर अवैध तमंचे की बरामदगी से पहले पुलिस स्टेशन में कोई पंचनामा भी तैयार नहीं किया गया। राज्य सरकार की ओर से पेश एजीए ने भी इस तथ्य का खंडन नहीं किया। अदालत ने कहा कि बरामदगी के लिए रवाना होने से पहले पुलिस स्टेशन में आरोपी के हस्ताक्षरयुक्त पंचनामा तैयार करना अनिवार्य है। कोर्ट ने विहान कुमार बनाम हरियाणा राज्य मामले का हवाला दिया। स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी के समय व रिमांड आदेश से कम से कम दो घंटे पूर्व आरोपी को लिखित रूप में गिरफ्तारी के आधार उपलब्ध कराना आवश्यक है। कोर्ट ने गाजियाबाद सीजेएम की ओर से प्रिंटेड प्रोफार्मा के इस्तेमाल पर भी नाराजगी जताई और भविष्य में अधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

हत्याकांड के बाद उठे सवाल, करोड़ों की संपत्ति का हकदार कौन ?

प्रयागराज। प्रयागराज में वैश्य परिवार के चार लोगों की हत्या सवाल उठ रहे हैं कि करोड़ों की संपत्ति का हकदार कौन होगा? करीब 15 साल पहले छोटे बेटे को संपत्ति से बेदखल किया जा चुका है। इसके बाद अश्विनी परिवार से अलग रहने लगा।

प्रयागराज में वैश्य परिवार के चार लोगों की हत्या के बाद एक सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। कारोबारी वीरेंद्र, उनकी पत्नी अनीता, बेटे अभिषेक और बेटी मीनाक्षी की हत्या के बाद करोड़ों रुपये की संपत्ति का वास्तविक उत्तराधिकारी कौन होगा? स्थानीय लोगों के अनुसार, वीरेंद्र ने अपने दोनों बेटों को अलग–अलग समय पर संपत्ति से बेदखल कर दिया था। बड़े बेटे अश्विनी वैश्य ने करीब 15 वर्ष पहले परिवार की मर्जी के बिना प्रेम विवाह कर लिया था। इससे नाराज होकर वीरेंद्र ने उसे संपत्ति से बेदखल कर दिया था। इसके बाद अश्विनी परिवार से अलग रहने लगा। वहीं, वर्ष 2022 में वीरेंद्र ने अपने दूसरे बेटे अभिषेक को भी संपत्ति से बेदखल कर दिया था। परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि पिता–पुत्र के बीच संपत्ति और आर्थिक मामलों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

जवाब अभी स्पष्ट नहीं... परिवार का इकलौता जीवित

सदस्य अश्विनी वैश्य है, जो वर्तमान में कौशाम्बी जेल में बंद है। इसी वजह से लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या वह संपत्ति का वारिस होगा? या फिर बेदखली के दस्तावेज उसके अधिकारों को प्रभावित करेंगे। चर्चा है कि संपत्ति के उत्तराधिकार का प्रश्न भविष्य में राजस्व और दीवानी अदालतों के समक्ष भी पहुंच सकता है। इसलिए करोड़ों रुपये की संपत्ति का वास्तविक मालिक कौन होगा, इसका जवाब अभी स्पष्ट नहीं है।

बेदखली का मतलब उत्तराधिकार खत्म होना नहीं: अधिवक्ता

अधिवक्ता प्रणेश मिश्रा ने बताया कि किसी व्यक्ति के बेटे या बेटी को संपत्ति से बेदखल करने की सार्वजनिक घोषणा और वैधानिक उत्तराधिकार दो अलग–अलग विषय हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि संपत्ति स्वयं अर्जित है या पैतृक है।

बेदखली किस कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई थी। यदि वीरेंद्र वैश्य ने अपनी स्वयं अर्जित संपत्ति के संबंध में विधिवत वसीयत बनाई है, तो संपत्ति का बंटवारा वसीयत के अनुसार हो सकता है। यदि कोई वैध वसीयत नहीं है, तो उत्तराधिकार के नियम लागू होंगे। जीवित कानूनी वारिसों के अधिकारों पर विचार किया जाएगा।

हत्याकांड के दूसरे दिन भी नहीं थमी चर्चा, सील मकान के बाहर जुटते रहे लोग

साउथ मलाका में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या की सनसनीखेज वारदात का असर दूसरे दिन भी पूरे इलाके में देखने को मिला। बुधवार को भी घटनास्थल के बाहर लोगों की भीड़ जुटी रही। सील किए गए मकान और बंद दुकानों को देखने के लिए आसपास के लोग पहुंचते रहे। पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चा करते रहे। पुलिस की निगरानी भी दिनभर बनी रही।

मकान के बाहर लोगों के छोटे–छोटे समूह खड़े दिखाई दिए। घटनास्थल के आसपास बुधवार को भी हल्की दुर्गंध महसूस की जा रही थी। कई लोग नाक पर रुमाल रखकर वहां से गुजरते दिखाई दिए। चौराहे से गुजरने वाले राहगीर भी कुछ देर रुककर घटना की जानकारी लेते रहे।

जिस व्यावसायिक कांप्लेक्स में चार सदस्यों की हत्या हुई, वह आम दिनों में बेहद व्यस्त रहता है। दो मंजिला इस भवन के भूतल पर चश्मे, खाद्य पदार्थ और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित होते हैं। ऊपरी मंजिल पर वैश्य परिवार का आवास था।

बुधवार को भवन के नीचे स्थित सभी दुकानें बंद रहीं। पूरे परिसर में असामान्य सन्नाटा पसरा रहा। केवल पुलिसकर्मी और घटना की जानकारी लेने पहुंचे लोग ही नजर आए। पुलिस ने मकान के मुख्य प्रवेश द्वार को सील कर दिया है। किसी भी व्यक्ति को परिसर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

जेल में बंद बेटे की गैरमौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

हत्याकांड में जान गंवाने वाले कारोबारी वीरेंद्र वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटे अभिषेक और बेटी मीनाक्षी के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी रिश्तेदारों ने संभाली। परिवार का छोटा बेटा अश्विनी जेल में बंद है। दूसरे बेटे अभिषेक की हत्या हो चुकी है। बेटे की गैरमौजूदगी में दारागंज घाट पर विद्युत शवदाह गृह में माता–पिता और भाई–बहन का अंतिम संस्कार हुआ।

बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे रिश्तेदारों ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें मंगलवार देर शाम मिली। इसके बाद वे तत्काल प्रयागराज के लिए रवाना हुए। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने वालों में अनीता वैश्य के कौशाम्बी मंझनपुर निवासी भाई प्रेमचंद्र केसरवानी, महेश केसरवानी, पंकज कुमार उर्फ बबलू, संजय कुमार और वीरेंद्र के भतीजे गौरव, चचेरे भाई अशोक और जानसेनगंज निवासी राजेश और गोपीगंज निवासी प्रवीण शामिल थे।

रिश्तेदारों ने बताया कि अनीता वैश्य का मायका कौशाम्बी के मंझनपुर में है। हालांकि, पिछले कई साल से वीरेंद्र और उनके परिवार का रिश्तेदारों से बहुत अधिक मेलजोल नहीं था। बुधवार देर शाम पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने चारों शव रिश्तेदारों को सौंप दिए। रात करीब 8रू30 बजे एंबुलेंस के जरिये शवों को दारागंज घाट ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया गया। घाट पर रिश्तेदारों की आंखें नम थीं।

कारोबारी की हत्या से फूटा गुस्सा, शोकसभा में सुरक्षा पर उठे सवाल

साउथ मलाका में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य समेत परिवार के चार सदस्यों की निर्मम हत्या के विरोध में व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। इलाहाबाद गल्ला तिलहन व्यापार मंडल के मुट्ठीगंज स्थित कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी ने सामूहिक हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की। साथ ही मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस जघन्य हत्याकांड से पूरे शहर का व्यापारी समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

मरम्मत शुरू होने के पहले ही दिन शास्त्री पुल पर लगा भीषण जाम, दिन भर रेंगते रहे वाहन

प्रयागराज। मरम्मत के लिए शास्त्री पुल की एक लेन बंद होने के पहले ही दिन बृहस्पतिवार को झूंसी से लेकर अलोपीबाग चुंगी तक भीषण जाम लग गया। दिन भर वाहन रेंगते हुए नजर आए। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मरम्मत के लिए शास्त्री पुल की एक लेन बंद होने के पहले ही दिन बृहस्पतिवार को झूंसी से लेकर अलोपीबाग चुंगी तक भीषण जाम लग गया। दिन भर वाहन रेंगते हुए नजर आए। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रयागराज से वाराणसी और वाराणसी से प्रयागराज आने वाले वाहनों को सहसों, फाफामऊ होते हुए आवागमन करने की व्यवस्था की गई है। शास्त्री ब्रिज पर से सिर्फ दो पहिया वाहन और छोटे चार पहिया वाहन ही गुजर रहे हैं। एक लेन पूर्णतया बंद होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दिन भर वाहन रेंगते रहे। यहां पर तैनात पुलिसकर्मी भी बेबस दिखे। यही स्थिति तेलियरगंज और फाफामऊ में भी रही। डायवर्जन के चलते बड़े वाहनों का आवागमन होने के कारण सुबह से ही भीषण जाम लग गया। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एकाएक बढ़े ट्रैफिक के दबाव के कारण कोचिंग जाने वाले छात्रों और दफ्तर के लिए निकले लोगों को काफी दिक्कत हुई। यह स्थिति सुबह से लेकर दोपहर तक बनी रही। तेज धूप के कारण जाम में फंसे लोगों को और भी दिक्कत हुई।

तीन महीने बाद फिर से ग्रीन जोन में शहर की आबोहवा

प्रयागराज। अप्रैल और मई के मध्य में तेज हवाओं व बारिश ने शहर की हवा बदल दी। इसी का नतीजा है कि शहर का वायु प्रदूषण स्तर अब ग्रीन जोन में पहुंच गया है। इसके पहले शहर की आबोहवा फरवरी के अंत में ग्रीन जोन में आई थी।

बे–मौसम बारिश और हवा ने वातावरण में मौजूद धूल के बारीक कणों को पूरी तरह धो दिया। वह बारिश से घुलकर जमीन में मिल गए। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ ने हवा को तेज किया, जिससे वायु प्रदूषण पूरी तरह काबू में रहा। यूपी में जून के शुरुआती दिनों का मौसम भी सुहाना बना हुआ है। बीते 24 घंटे में धूप और बदरी के बीच तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दिन और रात के तापमान में भी भारी अंतर देखने को मिल रहा है। अप्रैल व मई में रुक–रुक हुई बारिश व तेज हवाओं ने प्रयागराज की आबो–हवा साफ रखी है। अप्रैल और मई में ज्यादातर दिनों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 70 से 100 के आसपास रहा। 10 दिन ऐसे भी रहे जब प्रयागराज का एक्यूआई 50 के आसपास रहा यानी प्रयागराज की आबोहवा बेहद साफ रही।

झूंसी। पश्चिम एशिया में चल रही जंग के कारण पीएम मोदी और सीएम योगी की वाहन कम चलाने की अपील ने भी पर्यावरण सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जंग की वजह से अप्रैल और मई में तेल आपूर्ति में बाधा आई। इससे लोगों ने जरुरत के हिसाब से ही सड़क पर दो और चार पहिया वाहन दौड़ाए जिसके कारण वायु प्रदूषण ठीक रहा। कल–कारखानों में भी ईंधन संकट रहा। कारखानों की चिमनियों से जहरीला धुआं भी पिछले साल अप्रैल और मई महीने से कम निकला। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, प्रयागराज में इस साल अप्रैल और मई में प्रदूषण का ग्राफ पिछले साल के मुकाबले करीब 60 प्रतिशत गिरा है। मई 2025 में दस दिन हवा प्रदूषित रही। इस वर्ष केवल चार दिन प्रदूषित रही। अप्रैल 2025 में 18 दिन हवा प्रदूषित रही। जबकि अप्रैल 2026 में यह आंकड़ा गिरकर नौ दिनों पर आकर रुका रहा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रयागराज की ओर से झूंसी स्थित कार्यालय, सिविल लाइंस में नगर निगम कार्यालय एवं तेलियरगंज में एमएनएनआईटी में लाइव सेंसर मशीन लगवाई है। यह 24 घंटे वायु प्रदूषण के स्तर को मापती है। बुधवार को झूंसी का एक्यूआई 55, तेलियरगंज का 87 और सिविल लाइंस का एक्यूआई 47 रहा। इन मशीनों की देखरेख का जिम्मा स्वॉन इनवारमेंटल प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कंपनी के सर्विस इंजीनियर शुभम सिंह ने बताया कि बारिश और तेज हवाओं के कारण हवा सुधरी है और शहर ग्रीन जोन में है।

नलकूप की रखवाली कर रहे मजदूर को तमंचा से मारी गोली, हालत गंभीर

प्रयागराज। सरायअकिल इलाके के घोसिया गांव में बुधवार रात नलकूप की रखवाली कर रहे मजदूर को गांव के दबंग ने तमंचे से गोली मार दी। सिर पर गोली लगने से मजदूर की हालत गंभीर है। सरायअकिल इलाके के घोसिया गांव में बुधवार रात नलकूप की रखवाली कर रहे मजदूर को गांव के दबंग ने तमंचे से गोली मार दी। सिर पर गोली लगने से मजदूर की हालत गंभीर है। उसे इलाज के लिए प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं फायरिंग की आवाज सुनने के बाद दौड़े ग्रामीणों ने आरोपी को तमंचा समेत पकड़ लिया और पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। ग्रामीणों की पिटाई से घायल आरोपी को भी पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। घोसिया गांव निवासी मुन्ना मियां ने बताया कि उनका नलकूप गांव और नंदौली का पुरवा के बीच है। नंदौली का पुरवा गांव के गुलाब (55) पुत्र छंगू उनके नलकूप की रखवाली करते हैं। मुन्ना मियां के मुताबिक बुधवार रात गुलाब नलकूप के कमरे में सो रहे थे। इसी बीच रात 10रू30 बजे के आसपास गांव का मुजीब नलकूप पर पहुंचा और आवाज देकर गुलाब को बुलाया। जैसे ही गुलाब ने कमरे का दरवाजा खोला आरोप है कि मुजीब ने तमंचा से उनके सिर में गोली मार दी। शोर–शराबा और फायरिंग की आवाज सुनने के बाद नंदौली का पुरवा गांव के लोग जब नलकूप की ओर दौड़े तो देखा कि गुलाब मौके पर लहूलुहान हालत में पड़ा तड़प रहा था और आरोपी मुजीब हाथ में तमंचा लेकर भाग रहा था। माजरा समझ ग्रामीणों ने मुजीब को दौड़ाकर तमंचा समेत पकड़ लिया और जमकर पिटाई करते हुए पुलिस बुलाकर सौंप दिया। ग्रामीणों की पिटाई से आरोपी मुजीब भी बुरी तरह से घायल हुआ है। सूचना पर आई पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भेजा वहां से गंभीर हालत में गुलाब को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल भेज दिया गया है। नलकूप मालिक मुन्ना मियां के मुताबिक आरोपी मुजीब उनके नलकूप के पास बंटाई पर खेत लेकर खेती करता था और उनके नलकूप से ही सिंचाई भी करता था। उसका सिंचाई का कुल 2400 रुपया बकाया था। बुधवार सुबह उसने गुलाब को आकर एक हजार रुपया दिया भी था। बाकी 1400 के लिए मुजीब ने कहा बाद में देंगे। हो सकता है कि बीच में कुछ कहासुनी हुई होगी, जिसकी जानकारी मुझे नहीं है।

जेल में बंद बेटे की गैरमौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

प्रयागराज। हत्याकांड में जान गंवाने वाले कारोबारी वीरेंद्र वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटे अभिषेक और बेटी मीनाक्षी के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी रिश्तेदारों ने संभाली। परिवार का छोटा बेटा अश्विनी जेल में बंद है। दूसरे बेटे अभिषेक की हत्या हो चुकी है। बेटे की गैरमौजूदगी में दारागंज घाट पर विद्युत शवदाह गृह में माता–पिता और भाई–बहन का अंतिम संस्कार हुआ। बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे रिश्तेदारों ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें मंगलवार देर शाम मिली। इसके बाद वे तत्काल प्रयागराज के लिए रवाना हुए। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने वालों में अनीता वैश्य के कौशाम्बी मंझनपुर निवासी भाई प्रेमचंद्र केसरवानी, महेश केसरवानी, पंकज कुमार उर्फ बबलू, संजय कुमार और वीरेंद्र के भतीजे गौरव, चचेरे भाई अशोक और जानसेनगंज निवासी राजेश और गोपीगंज निवासी प्रवीण कुमार शामिल थे। रिश्तेदारों ने बताया कि अनीता वैश्य का मायका कौशाम्बी के मंझनपुर में है।

17 साल पहले हुई हत्या के आरोपी की जमानत मंजूर, वाराणसी के चौक का मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में 17 साल पहले हुई हत्या के आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए उसे रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने राजू कसेरा उर्फ विकास की जमानत याचिका पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में 17 साल पहले हुई हत्या के आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए उसे रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने राजू कसेरा उर्फ विकास की जमानत याचिका पर दिया है। मामला वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र का है। 2009 में मृतक के भाई ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप लगाया कि भाई की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोपी राजू कसेरा को नामजद किया, जो तीन मई 2022 से जेल में बंद है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी साक्षी नहीं है। संदेह और पुलिस के सामने दिए कबूलनामे के आधार पर याची के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हुआ। इस दौरान विकास याची गुजरात में रह रहा था। 2022 में कोरोना काल में जब वह गुजरात से लौटा, तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा।

ठोस साक्ष्य के बिना हत्या के मुकदमे में समन नहीं, मजिस्ट्रेट को नए सिरे से विचार करने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के किसी व्यक्ति को हत्या जैसे गंभीर अपराध में ट्रायल के लिए तलब नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य के किसी व्यक्ति को हत्या जैसे गंभीर अपराध में ट्रायल के लिए तलब नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति अनिल कुमार दशम की एकल पीठ ने बुलंदशहर के अहमदगढ़ थाने में 2013 में दर्ज हत्या के एक मामले में मजिस्ट्रेट और पुनरीक्षण अदालत की ओर से पारित समन आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही मजिस्ट्रेट को कानून के अनुरूप मामले पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया।

मामले में राहुल के भाई ने आरोप लगाया था कि लाला और महेश ने शराब पिलाने के बाद राहुल की हत्या कर दी। हालांकि, पुलिस जांच में आरोपों की पुष्टि न होने पर अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी गई थी। शिकायतकर्ता की विरोध याचिका पर मजिस्ट्रेट ने इसे शिकायत वाद मानते हुए सात गवाहों के बयान दर्ज किए और दोनों आरोपितों को हत्या के मुकदमे में तलब कर लिया। पुनरीक्षण अदालत ने भी इस आदेश को बरकरार रखा था। इस आरोपी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

वरिष्ठ अधिकारियों को अधीनस्थों की गलतियों का जिम्मेदार ठहराने का वक्त आ गया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस जांच में लापरवाही और प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से न्यायिक आदेशों की अनदेखी पर नाराजगी जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस जांच में लापरवाही और प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से न्यायिक आदेशों की अनदेखी पर नाराजगी जताई है। कहा कि अब समय आ गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों को उनके अधीनस्थों की गलतियों और लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर की। झांसी निवासी ने 15 वर्षीय बेटी को अवैध हिरासत से मुक्त कराने की मांग में याचिका दायर की थी। मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया संतोषजनक नहीं पाई गई थी। कोर्ट के आदेश के बाद भी चार्जशीट दाखिल करने से पहले अभियोजन अधिकारी से समीक्षा नहीं कराई गई। कोर्ट ने कहा कि जांच के संबंध में दिए गए निर्देशों को कई जिलों में पालन नहीं किया जा रहा। कोर्ट ने पाया कि सरकारी अधिकारियों का रवैया केवल न्यायिक आदेशों को टालने और सुप्रीम कोर्ट में अपील का बहाना बनाकर कार्यवाही से बचने का रहा। कोर्ट ने कहा कि लोक सेवक सरकार के विभागों का संचालन करते हैं। ऐसे में अगर वे अपने कर्तव्यों का पालन निष्पक्षता से नहीं करते हैं तो यह जनता के विश्वास का अपमान है। कोर्ट ने वरिष्ठों की जिम्मेदारी के सिद्धांत को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अनुसार कोई अधीनस्थ अधिकारी अपराध रोकने में विफल रहता है या जांच में लापरवाही करता है तो उसका वरिष्ठ अधिकारी भी अपनी नैतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ सकता।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस आदेश की प्रति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार को भेजी जाए। संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के भविष्य के दायित्वों के निर्धारण और पदोन्नति के समय उनके पिछले रिकॉर्ड और न्यायिक टिप्पणियों को गंभीरता से लिया जाए। हालांकि, नाबालिग लड़की की सकुशल बरामदगी के बाद याचिका का निस्तारण कर दिया गया।

सुपरवाइजर ने रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली,कनपटी में सटाकर फायर किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के विकासनगर इलाके में एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी के सुपरवाइजर ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद की कनपटी में गोली मारकर जान दे दी। घटना के समय वह शराब के नशे में थे। कनपटी में सटाकर परिजन उन्हें गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना विकासनगर थाना क्षेत्र के सेक्टर–सी सबोली की है। मृतक संदीप सिंह (52) पुत्र जीत बहादुर सिंह थे। वह श्रीराम सिक्योरिटी एजेंसी में सुपरवाइजर थे। परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं।मृतक के भाई प्रदीप सिंह के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10 बजे संदीप सिंह ने घर के कमरे में अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर ले गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। घटना की सूचना रात 12.22 बजे डायल–112 के माध्यम से पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को कमरे में लाइसेंसी रिवॉल्वर और खून के निशान मिले। साक्ष्य जुटाने के लिए फील्ड यूनिट को भी बुलाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल का वैज्ञानिक परीक्षण कराया जा रहा है। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

विवाहिता ने लगाई फांसी,पंखे से लटका मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के चिनहट के कंचनपुर मटियारी में 23 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के समय उसका पति काम पर गया हुआ था। रात करीब एक बजे घर लौटने पर उसने पत्नी को दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका देखा। महिला को 8 महीने पहले ही बेटी पैदा हुई थी। पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान मोनिका मिश्रा (23) के रूप में हुई है। उसके पति आशुतोष तिवारी (24) जोमैटो में डिलीवरी बॉय हैं। आशुतोष ने पुलिस को बताया कि बुधवार देर रात करीब एक बजे वह घर पहुंचे तो पत्नी कमरे में फंदे से लटकी मिली। उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मोनिका की शादी करीब पांच साल पहले हुई थी। दंपती की आठ माह की एक बेटी है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाए। मायके पक्ष को भी सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लोहिया अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

यूपी में बेसिक शिक्षा के शिक्षकों के एक से दूसरे जिले में होंगे तबादले, आदेश जारी

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में शिक्षक–शिक्षिकाओं के अंतरजनपदीय तबादले करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। हालांकि, जनगणना के कार्य को देखते हुए तबादलों में काफी पाबंदी रहेगी। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि शिक्षकधशिक्षिका के खुद या उनके अविवाहित पुत्र–पुत्री के दिव्यांग होने, कैंसर पीड़ित होने या डायलिसिस पर होने की दशा में स्थानांतरण किया जा सकेगा। इसी तरह, यदि पतिध्पत्नी दोनों बसिक शिक्षा परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक हैं और उनमें से किसी के द्वारा आवेदन किया जाता है तो जहां पर शिक्षक–छात्र अनुपात न्यून होगा, उस जिले में उन दोनों में से किसी एक का स्थानांतरण किया जा सकेगा। वहीं, विषम परिस्थिति होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुमोदन पर स्थानांतरण किया जा सकेगा।

लड़कियों को अगवा कर बेचने वाले गिरोह की सरगना समेत पांच गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ व रायबरेली से किशोरियों का अपहरण कर राजस्थान में बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह की सरगना समेत पांच लोगों को पुलिस में गिरफ्तार कर लिया है। गौरा पुलिस चौकी इंचार्ज सौरभ सिंह ने बताया कि मोहनलालगंज इलाके की एक महिला ने 12 मई को मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। महिला ने बताया था कि उनकी बेटी की मृत्यु के बाद उनकी 16 वर्षीय और 12 वर्षीय दो नातिनें उनके साथ रहती थीं। आरोप है कि रायबरेली से आई एक 16 वर्षीय किशोरी दोनों नाबालिग लड़कियों को बिना बताए अपने साथ लेकर चली गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर टीम गठित की गई। जांच के दौरान सामने आया कि रायबरेली निवासी प्रिया पटेल ने नाबालिग लड़कियों को अगवा कराया और उन्हें बेचने के उद्देश्य से कार से राजस्थान ले जाया गया। राजस्थान पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने अपहरण की गई नाबालिग लड़कियों को बरामद कर लिया था। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि आरोपी इससे पहले भी दो अन्य नाबालिग लड़कियों का रायबरेली से अपहरण कर सौदा कर चुकी है। पुलिस ने गिरोह की सरगना प्रिया व उसके साथ दो नाबालिग लड़कियों को गिरफ्तार किया था। विरोध में शमिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गिरोह के अन्य लोगों की तलाश कर रही थी। बुधवार को रायबरेली से पुलिस ने गिरोह की सरगना प्रिया पटेल, अनुराग यादव निवासी कोडरस बिजुर थाना मिल एरिया, रायबरेली, मोहम्मद अख्तर निवासी कोरिहर सताव गुरुबक्शगंज, रायबरेली व दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया है। लड़कियों को अगवा करने में इस्तेमाल होने वाली कार को बरामद किया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से "खुली निविदायें" आमंत्रित करते हैं। [illegible]

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

छात्र की संदिग्ध हालात में मौत

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार इलाके में छात्र की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला। छात्र घर से दवाई लेने के लिए निकला था। काफी देर नहीं लौटा, तब उसकी तलाश शुरू की गई। पुलिस से परिजनों को घटना की जानकारी मिली।

अंतिम दिवस की कथा में उमड़ा जनसैलाब

भाई को जमीन पर सोता देख रो पड़े लक्ष्मण : कथाव्यास सरिता जी

महायज्ञ व श्रीराम कथा में सहर्ष लोगों ने किया प्रतिभाग

प्रतापगढ़। जनपद में मंगरौरा ब्लाक के किशुनगंज अंचल में भवानी स्टील भंडार परिवार की तरफ से अपने आवास के सामने स्थित ज्वाला देवी मंदिर तिवारीपुर कला में आयोजित हुआ, श्री श्री 1008 श्री विष्णु महायज्ञ एवं नव दिवसीय भव्य संगीतमयी श्री रामकथा। विदित हो कि मेसर्स भवानी स्टील भंडार परिवार की अगुवाई में उनके घर के सामने स्थित मंदिर ज्वाला देवी मंदिर प्रांगण में सामूहिक रूप से भव्य विष्णु महायज्ञ व श्रीराम कथा का आयोजन हुआ। श्रीराम कथा में कलश यात्रा 25 मई सोमवार एवं कथा का शुभारंभ 26मई को हुआ और 03 जून बुधवार को कथायज्ञ की पूर्णाहुति एवं सामूहिक हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। गौरतलब हो कि धर्मानुरागियों ने गर्मी के बावजूद श्रीराम कथा विष्णु महायज्ञ में बढ़ चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित की ,और 04 जून गुरुवार को विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद का वितरण हुआ।

गौरतलब हो कि भीषण गर्मी को देखते हुए कथा आयोजकों व कथाव्यास ने कथा का समय परिवर्तित कर दिया था, ताकि किसी को गर्मी के कारण कोई दिक्कत न हो,इसलिए कथा का समय शाम 6 बजे से रात्रि 09 बजे तक कर दिया गया था। गौरतलब हो कि श्रीराम कथा बहुत ही भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। विदित हो कि अयोध्या धाम से पधारी हुई कथाव्यास सुश्री सरिता जी ने नव दिवसीय कथा बहुत ही बढियां व विस्तारपूर्वक उपस्थित धर्मानुरागियों (सनातनी) को कथा सुनाई। नव दिनों तक भक्तिमय माहौल में ज्ञान रूपी सरिता बही। श्री रामकथा श्रवण के दौरान बीच–बीच कथाव्यास जी द्वारा संगीतमयी भजन सुन श्रोता मंत्रमुग्ध रहे। श्री राम कथा में सुश्री सरिता जी ने बताया श्री राम कथा प्रसंग के दौरान बीच–बीच में उपस्थित लोगों को तमाम जीवनोपयोगी प्रेरक दृष्टांत सुनाया।

गौरतलब हो कि मंगलवार की कथा में जब प्रभु श्रीरामजी के वन जाने के दौरान की कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कथा के दौरान बताया कि जब प्रभु वन जा रहे थे तो पूरे अयोध्यावासी उनके पीछे–पीछे तमसा नदी के तट तक छोड़ने गए थे ,और नदी तट पर रात्रि विश्राम की वेला में भाई लक्ष्मण ने अपने भइया व भाभी के विश्राम के लिए बालू व पत्तों की शैय्या बनाई थी, और अपने भाई व भाभी को जमीन पर सोता देख रात्रि भर रोये थे लक्ष्मण जी। वो ये सोचकर रोते रहे कि मेरे भाई जो मखमली विस्तर पर सोते थे, उनको आज जमीन पर सोना पड़ रहा है। विदित हो कि मंगलवार रात्रि में श्रीराम कथा के समापन वेला पर कथाव्यास सुश्री सरिता जी ने मां ज्वाला देवी मंदिर को भव्य ट्रस्ट बनाने का सुझाव व शुभकामनाएं दी। विदित हो कि बुधवार को विष्णु महायज्ञ के पश्चात 04 जून गुरुवार को बहुत ही भव्य व विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें गांव व क्षेत्र के तमाम सनातनी श्रद्धालु भक्त पहुँचकर प्रसाद ग्रहण किए।

उक्त मौके पर प्रमुख रूप से राजाराम तिवारी, बाबूलाल पांडेय, लल्लन प्रसाद पांडेय, जिला पंचायत सदस्य इंद्रदेव तिवारी,देवमणि पांडेय, बब्लू प्रसाद पांडेय एडवोकेट, सी वी पांडेय, रवीश चंद तिवारी, महंथ पांडेय, युवा नेता शशांक तिवारी सहित तमाम सनातनी श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

'शोध सृजन का नहीं वरन् सूक्ष्म अध्ययन और पुनर्समीक्षा का विषय है..'

प्रयागराज। आज प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग में नवागत शोधार्थियों के कोर्स वर्क समापन के अवसर पर अतिथि वक्ता के रूप प्रो० योगेन्द्र प्रताप सिंह (निदेशक – गोविंद बल्लभ पंत शोध संस्थान) का उद्बोधन हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० आशुतोष कुमार सिंह ने शोध के चरण और साधन पर विशेष बल देने की बात कही। प्रयुक्त शोध समृद्ध ज्ञान परम्परा और समाज की विकसित होती धारा में किस प्रकार उपयोगी हो सकती है और किस प्रकार यह अपने उद्देश्य को पूर्ण करने में सफल होगी.. इस दिशा की सूक्ष्मता की ओर उन्होंने शोधार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया।

कोर्स वर्क पूरा कर चुके शोधार्थियों से उन्मुख होते हुए मुख्य अतिथि प्रो० योगेन्द्र ने शोध की सूक्ष्मता और व्यावहारिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने शोध की वैज्ञानिकता, पद्धति, उद्देश्य और सीमाओं पर शोधार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। शोध में आत्मपरकता, सृजन, विचारों के धुंध, शोध प्रबंध और कारयित्री प्रतिभा मात्र को शोध न मानने की बात करते हुए संवेदना, गहन अध्ययन, मौलिकता, मानव अस्मिता, भावयित्री प्रतिभा और व्यावहारिक पुनर्समीक्षा को शोध मानने की वकालत की। उन्होंने कहा कि शोध ज्ञान परम्परा के विशाल जंजीर की एक कड़ी है। इस दौरान डॉ० अजीत सिंह, डॉ० लल्लन गोपाल, डॉ० प्रदीप त्रिपाठी, डॉ० शुभेंदु, डॉ० अग्रहरि, डॉ० बबलू यादव समेत अन्य शिक्षक और शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अलका प्रकाश ने किया।

योग साधना से स्वास्थ्य, संतोष और दीर्घायु संभव: डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के 21 दिवसीय समारोह के हिस्से के रूप में, श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि योग अभ्यास से स्वास्थ्य, संतोष और दीर्घायु प्राप्त की जा सकती है। गुरुवार को महर्षि मोहिद्दीन बादशाह ज्ञान सभा मंदिर में उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति योग से निरोग हो सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ माकाला सत्यनारायण ने कहा कि हर किसी को फिट रहने के लिए योग सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से नियमित रूप से योग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अतिथि कृष्णा जिले के उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट की संयोजक वंगरा रेणुका देवी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से योग को दुनिया भर में मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि आंध्र की गठबंधन सरकार ने योगांध्रा के नाम पर कार्यक्रम चलाकर प्रदेश में भी योग का प्रचार किया है। इस अवसर पर कई लोगों का योग द्वारा इलाज किया गया और मोदी हेल्थ केयर स्टिक वितरित की गईं। अगले 20 दिनों तक योग महोत्सव आयोजित होंगे। इस अवसर पर डॉ. उमर अली शाह ने विजयवाड़ा के योग शक्ति साधना समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. माकाला सत्यनारायण को सम्मानित किया। उमर अलीशा ट्रस्ट सेंट्रल कमेटी के सदस्यों ने कार्यक्रम का संचालन किया और ए वी वी सत्यनारायण ने मंच संचालन किया।

राजधानी में काले बादल छाए, बूंदाबांदी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज, गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे मौसम बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। कल्ली पश्चिम इलाके में बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसके पहले सुबह से तेज धूप के साथ बादलों की आवाजाही बनी रही। इस वजह से उमस बनी हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज तापमान 41 सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले 4 दिन में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाएगा। मौसम विभाग ने कल शुक्रवार को हल्के बादलों के साथ छिटपुट बूंदाबांदी के आसार जताए हैं, लेकिन इससे गर्मी पर कोई असर नहीं होगा। आज अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। बुधवार को अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम था। वहीं, न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। गुरुवार सुबह 7 बजे लखनऊ में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह 8 बजे यह 34 डिग्री और नौ बजे 36 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। 10 बजे तक तापमान 37 डिग्री और 11 बजे 38 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच सकता है। मौसम साफ रहने से ध ूप का असर अधिक महसूस किया जाएगा। राजधानी में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। बारिश की संभावना शून्य प्रतिशत दर्ज की गई है। हवा की गति महज तीन किलोमीटर प्रति घंटा रहने से गर्मी और उमस अधिक महसूस हो सकती है।

बादल गाते गीत

(छप्पय)

कहीं बने बरसात कहीं गर्मी रख अंचल।
बादल गाते गीत हवाएँ बहती चंचल।
झूम रही हैं डाल पात बौराए लगते।
हरे सुनहरे लाल पके फल पीले दिखते।
नूतनता के साथ में कहकर अपनी बात को।
मौसम खुशियाँ दे रहा हरि प्रदत्त दिन–रात को।।

नभ से उतरी धूप नदी का पानी पीकर।
डोल रही चहुँ ओर बनी मौसम की टीचर।
बैठ बाग के बीच दे रही सबको शिक्षा।
काटा जिसने पेड़ माँगता है वह भिक्षा।
नीतियुक्त यह बात कह हरियाली के साथ में।
रौशन कर संसार को फूल बिछाती राह में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच की जबलपुर इकाई की ऑनलाइन काव्या गोष्ठी पर्यावरण के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार की जबलपुर इकाई द्वारा पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी डा.कामना कौस्तुभ की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में रचना श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। सारस्वत अतिथि के रूप में छाया त्रिवेदी एवं विशिष्ट अतिथि डा. राजलक्ष्मी शिवहरे, अर्चना मलैया, डॉ भावना शुक्ला काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और

सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अंजलि तिवारी द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन अनीता दुबे एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

इस काव्य गोष्ठी में चना सक्सेना जबलपुर, राजकुमारी रैकवार, प्रभाबच्चन, छाया सक्सेना, रेखा चौधरी ,गायत्री चौबे, कृ ष्णा राजपूत,शशिकला सेन, मंजूषा, आरती श्रीवास्तव, रश्मि पांडे,कुमकुम शुक्ला, तरुण खरे, आरती शर्मा, चंद्र प्रकाश वैश्य,आशा श्रीवास्तव, जय श्रीकांत, अनुराधा गर्ग,रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन अनीता ने किया।

भयहरणनाथ धाम में पौध रोपण अभियान की शुरुवात व सीमांकन आज 5 जून को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन बाबा भयहरण नाथ धाम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौध रोपण अभियान की शुरुवात होगी। वहीं राजस्व विभाग द्वारा धाम की सार्वजनिक भूमि का चिन्हांकन करके पत्थर गाड़ने का कार्य होगा। गत 15 मार्च से लगातार धाम की प्रबन्ध संस्था व क्षेत्रीय नागरिक व भक्त गण

प्रत्येक रविवार को सामाजिक सत्याग्रह कर रहे है। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान व नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह द्वारा पौध रोपण करके आगामी बरसात में होने वाले बृह्द पौध रोपण अभियान की शुरुवात होगी। वहीं नायब तहसीलदार सदर दिनेश चंद्र तिवारी के विशेष मार्गदर्शन में राजस्व टीम, पुलिस व नगर पंचायत तथा प्रबन्ध संस्था के सहयोग से चिन्हांकन व पत्थर गाड़ कर स्थाई सीमांकन होगा। धाम में अधिक मास का मेला चल रहा है, भक्तो में भी इस पुनीत कार्य को लेकर काफी उत्साह है सभी चाहते है कि धाम की संपूर्ण भूमि खाली करके जनोपयोगी बना कर धाम , तालाब व नदी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाए। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह प्रतिभाग करेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

NCR/MECH/Chg/Reformed OBHS/2026/02 दिनांक: 02/06/2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, पी.सी.एम.ई. उत्तर मध्य रेलवे बोर्ड नीति संख्या 2026/ईएनएचएम/15/09 - ओबीएचएस दिनांक 17.02.2026, 13.03.2026 और 27.05.2026 के तहत "बेहतर ऑन-बोर्ड सेवाओं के लिए सुधार" और तकनीकी मूल्यांकन मानदंड पर नीति दिशानिर्देशों के अनुसार,उन्नत ऑन-बोर्ड सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्षम और अनुभवी एजेंसियों को सूचीबद्ध करने के लिए ई.ओ.आई.आमंत्रित करता है। इच्छुक फर्म (कंपनियों) से अनुरोध है कि वे दिनांक 25/06/2026, 15:00 बजे तक इस कार्यालय को विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करें। अधिक जानकारी के लिए कृपया उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट या मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (सी.आर.एस.ई. कोचिंग एन.आर.), उत्तर मध्य रेलवे मैकेनिकल विभाग के कार्यालय पर जाएं। ई.ओ.आई. प्रस्ताव उप. मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कोचिंग।/ उत्तर मध्य रेलवे कार्यालय में उपलब्ध बॉक्स में किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान प्रस्तुत किए जाने चाहिए। पता - बेतवा बैल्डिंग, प्रथम तल, यांत्रिक विभाग, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, सूबेदारगंज प्रयागराज 211015.

वेबसाइटः https://ncr.indianrailways.gov.in

ई-मेलः Crsencr@gmail.com, dycmecnwncr@gmail.com

उप. मुख्य यांत्रिक इंजीनियर /कोचिंग
उत्तर मध्य रेलवे

1259/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों–अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू–कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते–ए–इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी–कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल–कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद–फरोख्त में संलिप्तता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। साथ ही सीमावर्ती संवेदनशील राज्यों में, जहां सीमा पार से नशे की तस्करी आतंकवाद को जिंदा रखने के लिये की जा रही है, वहां अतिरिक्त सावधानी की भी जरूरत है। नशा तस्करों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद सजा देना, इस अभियान में मददगार साबित होगा।

विश्व साइकिल दिवस जीवन के लिए जरूरी साइकिल का साथ

कुमार सिद्धार्थ

3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस दिवस को इसलिए मान्यता दी ताकि दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि साइकिल केवल दोपहियों वाला साधारण वाहन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक बचत और टिकाऊ विकास का प्रभावी साधन है। आज जब दुनिया पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों, ऊर्जा संकट, प्रदूषण, और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल फिर से चर्चा के केंद्र में आ गई है। एक समय था, जब साइकिल भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के जीवन का अभिन्न हिस्सा थी। आधुनिकता की दौड़ में मोटर वाहनों की चमक–दमक के बीच साइकिल धीरे–धीरे सड़कों से हाशिये पर चली गई। अब दुनिया फिर समझ रही है कि विकास का अर्थ केवल तेज रफ्तार वाहन नहीं, बल्कि ऐसे साधन भी हैं, जो टिकाऊ हों और समाज के लिए लाभकारी हों। आज जब पर्यावरण संरक्षण और श्ग्रीन मोबिलिटीश की बात होती है, तो इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी तकनीक, चार्जिंग स्टेशन और नई परिवहन योजनाओं की खूब चर्चा होती है। सरकारें इलेक्ट्रिक कारों और दो पहिया वाहनों को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बना रही हैं। शहरों में चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए जा रहे हैं, लेकिन अफसोस है कि इन चर्चाओं के बीच पर्यावरण–अनुकूल साधन, पारंपरिक साइकिल अक्सर गायब हो जाती है। साइकिल ऐसा वाहन है, जिसे न पेट्रोल चाहिए, न डीजल, न बैटरी और न ही कोई चार्जिंग–स्टेशन। यह पूरी तरह मानव ऊर्जा पर आधारित है। इसके बावजूद शहरी परिवहन योजनाओं में इसे वह प्राथमिकता नहीं मिलती, जिसकी यह हकदार है। कई शहरों में श्साइकिल लेनश की योजनाएं बनीं, लेकिन अनेक जगहों पर वे अतिक्रमण, खराब डिजाइन और उपेक्षा के कारण सफल नहीं हो सकीं। साइकिल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक समय सामाजिक समानता और सादगी का प्रतीक भी रही है। एक दौर में शिक्षक, विद्यार्थी, कर्मचारी, किसान और छोटे अधिकारी सभी साइकिल से यात्रा करते थे। इसमें वर्ग भेद कम दिखाई देता था। यही कारण है कि कई विचारकों ने साइकिल को लोकतांत्रिक वाहन कहा। वर्ष 1960 के बाद जैसे–जैसे मोटर वाहनों की संख्या बढ़ी, साइकिल पीछे छूटने लगी। कारें और बड़े वाहन आधुनिकता और उपभोक्तावाद के प्रतीक बन गए। धीरे–धीरे साइकिल को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा। परिणाम यह हुआ कि सड़कों पर कारों का कब्जा बढ़ता गया और साइकिल हाशिये पर चली गई। आज फिर परिस्थितियां बदल रही हैं। दुनिया समझ रही है कि महंगे ईंधन, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु संकट के दौर में साइकिल पिछड़ेपन का नहीं, बल्कि समझदारी और टिकाऊ जीवन शैली का प्रतीक है। भारत आज भी दुनिया के बड़े साइकिल उपयोग करने वाले देशों में शामिल है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार देश में दस से 12 करोड़ से अधिक परिवारों के पास साइकिल उपलब्ध है। ग्रामीण भारत में इसका उपयोग और भी अधिक है। साइकिल उद्योग के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल एक करोड़ से अधिक नई साइकिलों की बिक्री होती है। पंजाब का लुधियाना देश के साइकिल निर्माण का बड़ा केंद्र माना जाता है। भारत दुनिया के बड़े साइकिल उत्पादक देशों में भी शामिल है। दुनियाभर में साइकिल की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व में एक अरब से अधिक साइकिलें उपयोग में हैं। यूरोप, चीन, जापान और एशिया के कई देशों में साइकिल रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा है। कई देशों में लाखों लोग प्रतिदिन साइकिल से अपने कार्यस्थल पहुंचते हैं। भारत में भी साइकिल प्रेमियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब साइकिल केवल ग्रामीण या गरीब का वाहन नहीं रही, बल्कि शहरों में भी आर्थिक रूप से सम्पन्न युवा, पेशेवर, फिटनेस प्रेमी और पर्यावरण के प्रति जागरूक लोग इसे अपना रहे हैं। आज दुनिया ऊर्जा संकट के दौर से गुजर रही है। अंतरराष्ट्रीय तनाव, युद्ध और आपूर्ति बाधाओं का असर सीधे पेट्रोल–डीजल की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ता है। भारत जैसे देशों में, जहां बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद आयात किए जाते हैं, इसका असर आम आदमी की जेब पर साफ दिखाई देता है। इनकी कीमतें बढ़ने से न केवल यात्रा महंगी होती है, बल्कि परिवहन लागत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ती है। ऐसे में साइकिल एक विकल्प है, जो पूरी तरह ईंधन मुक्त है। छोटी दूरी के लिए अगर लोग साइकिल अपनाएं, तो ईंधन की खपत कम होगी, घरेलू खर्च घटेगा। यही कारण है कि ऊर्जा संकट के दौर में साइकिल फिर भविष्य के परिवहन के रूप में देखी जा रही है। देश–दुनिया में कई नेता, अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता साइकिल से आने–जाने या सार्वजनिक साइकिल अभियानों में भाग लेने का संदेश देते रहे हैं। यह केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक संकेत है कि सुविधा और जिम्मेदारी के बीच संतुलन संभव है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट जलवायु परिवर्तन है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसें छोड़ते हैं, जिससे वातावरण प्रदूषित होता है और धरती का तापमान बढ़ता है। साइकिल इस समस्या का सबसे सरल समाधान है। यह न धुआं छोड़ती है, न शोर करती है और न ही सड़क पर अधिक जगह घेरती है। शहरों में अगर छोटी दूरी के लिए साइकिल उपयोग को बढ़ावा मिले, तो प्रदूषण और ट्रैफिक दोनों कम हो सकते हैं। यही कारण है कि दुनिया के कई शहरों में अलग साइकिल लेन, सार्वजनिक साइकिल सेवा और सुरक्षित ट्रैक बनाए जा रहे हैं। साइकिल चलाना केवल सफर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का भी साथी है। यह हृदय को मजबूत बनाती है, वजन नियंत्रित रखती है, मांसपेशियों को सक्रिय करती है और मानसिक तनाव कम करती है। पर्यावरण–अनुकूल परिवहन की चर्चा में अगर साइकिल को फिर केंद्र में लाया जाए, सुरक्षित श्साइकिल लेन्य बनाई जाएं और लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, तो यह न केवल आम आदमी के लिए राहत होगी, बल्कि देश और दुनिया के लिए भी बड़ा समाधान साबित हो सकती है। सच तो यह है कि साइकिल केवल अतीत की याद नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत और भविष्य की दिशा बनकर फिर हमारे सामने खड़ी है। दो पहियों पर चलने वाली यह साधारण सवारी हमें एक स्वस्थ, सस्ता, स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जा सकती है।

पर्यावरण विमर्श: आत्म-मंथन का आईना और हमारी सामूहिक चूक

मौन खड़ा इतिहास पूछ रहा,
रे मनुज! कहाँ गया तेरा विवेक?
काट दिए कल्पवृक्ष सारे,
तुमने बोए मरुस्थल अनेक!
अट्टालिकाओं के गुंबद से,
सूरज का तेज चुराते हो,
जिस धरती ने जीवन बख्शा,
उसी को ज़हर पिलाते हो!
सावधान मानव अब भी संभल,
यह अंतिम चेतावनी भारी है,
प्रकृति के महाविनाश की,
अब स्वयं तुम्हारी बारी है!

इस महत्वपूर्ण विमर्श की शुरुआत हम किसी औपचारिक भाषण, सरकारी आंकड़ों या रटे–रटाए नारों से नहीं करेंगे। इससे पहले कि हम पर्यावरण के तकनीकी विषयों पर उतरें, आवश्यक है कि हम सब मिलकर एक पल के लिए ठहरें, अपनी आँखें बंद करें और पूरी ईमानदारी से आत्म–मंथन करें। आइए, अपने आस–पास की बदलती हुई दुनिया और इस झुलसती हुई ऋतु को देखें, महसूस करें और सोचें कि हमसे कहाँ चूक हो गई है? वह कौन सा मोड़ था जहाँ हम आधुनिकता की अंधी दौड़ में इतने अंधे हो गए कि अपनी ही जीवनदायिनी के अस्तित्व को भूल बैठे? हम किस–किस जगह पर चूक गए हैंकृपहले हमें उस चूक को स्वीकार करना होगा, तभी हम सुधार की ओर कदम बढ़ा पाएंगे।

१. आत्म–मंथन –

विश्व पर्यावरण दिवस के इस मोड़ पर खड़े होकर यदि हम अपने चारों ओर देखें, तो दृश्य डराने वाला है। हमारे पुरखों ने हमें अविरल बहती नदियाँ दी थीं, हमने उन्हें ज़हरीले औद्योगिक नालों में बदल दिया। उन्होंने हमें घने और ठंडे जंगल दिए थे, हमने उन्हें कंक्रीट के बेजान ढांचों में तब्दील कर दिया। उन्होंने हमें शुद्ध, प्राणवायु से भरी बयार दी थी, हमने हवा को इस कदर ज़हरीला बना दिया कि आज सांस लेना भी एक फेफड़ों की बीमारी को आमंत्रण देना बन चुका है।

यहाँ ठहरकर हमें सोचना होगा कि हमसे चूक कहाँ–कहाँ हुई? पहली चूक यह हुई कि हमने श्प्रगतिश और श्विनाशश के बीच के अंतर को समझना बंद कर दिया। हमने सोचा कि जितने अधिक पेड़ कटेंगे, जितनी चौड़ी सड़कें बनेंगी, हम उतने ही विकसित कहलाएंगे। दूसरी चूक यह हुई कि हमने अपनी प्राचीन सनातन संस्कृति के उस मूल मंत्र को भुला दिया जो प्रकृति को श्भोगश की वस्तु नहीं, बल्कि श्मांश का दर्जा देती थी। तीसरी चूक यह हुई कि हमने अपनी व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी से पूरी तरह मुंह मोड़ लिया। हमने हर दोष सरकार, उद्योगपतियों और व्यवस्था पर मढ़ दिया, जबकि सच यह है कि सुबह उठकर ब्रश करते समय नल खुला छोड़ने से लेकर, बाज़ार में प्लास्टिक की थैली मांगने तक, हर छोटी–बड़ी चूक में हम सब बराबर के भागीदार हैं।

क्षमा मांगती नहीं प्रकृति, वह सीधा न्याय सुनाती है,
जब सहने की सीमा टूटती, तब वह प्रलय मचाती है!

२. आधुनिक सभ्यता की आत्ममुग्धता का आईना–

आज की उपभोक्तावादी संस्कृति ने मनुष्य को इतना आत्ममुग्ध बना दिया है कि वह अपने अलावा किसी और के अस्तित्व को स्वीकार ही नहीं करना चाहता। आज का मानव सोचता है कि विज्ञान के बल पर वह प्रकृति को अपना गुलाम बना चुका है। लेकिन यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। ग्लोबल वार्मिंग, असमय आती बाढ़, बेमौसम बरसात और रिकॉर्ड तोड़ता हुआ तापमानकृयह सब कुछ और नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा मानव के अहंकार पर जड़ा गया एक करारा तमाचा है।

हम एयर कंडीशंड कमरों में बैठकर पर्यावरण संकट पर बड़ी–बड़ी गोष्ठियां करते हैं, लेकिन जैसे ही उस वातानुकूलित कमरे से बाहर निकलते हैं, हमारी गाड़ियाँ वातावरण में ज़हर उगलने लगती हैं। यह दोहरा चरित्र ही आज की सभ्यता का असली चेहरा है। हमें इस संपादकीय आईने में खुद को देखना होगा और अपनी इस बदसूरती को स्वीकार करना होगा।

सिंहासन हिलते अंबर के,
जब नदियाँ हाहाकार करें,
रे मनु–पुत्र! सोच जरा, क्यों
जीव यहाँ चीत्कार करे !

३. कंक्रीट के जंगल बनाम जीवन का संकट

ध्महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक फैलती ऊँची–ऊँची अट्टालिकाएँ आज हमारी सफलता का प्रतीक मानी जाती हैं, लेकिन वास्तव में ये हमारी संवेदनाओं के पतन के स्मारक हैं। इन कंक्रीट के जंगलों को बनाने के लिए हमने लाखों बेज़ुबान पशु–पक्षियों के आशियाने उजाड़ दिए। जिन पक्षियों के मधुर कलरव से कभी हमारे जीवन में सुबह होती थी, आज वे लुप्तप्राय हो चुके हैं। गौरैया जैसी घरेलू चिड़ियाँ अब केवल कविताओं और तस्वीरों में सिमट कर रह गई हैं। जैव विविधता का यह विनाश केवल उन जीवों का अंत नहीं है, बल्कि यह धीरे–धीरे हमारे अपने ही अंत की पटकथा लिख रहा है।

४. सुधार की दिशा में पहला कदमः आत्म–स्वीकृति से संकल्प तक–

केवल रोने–धोने या साल में एक दिन पर्यावरण दिवस मनाने से नदियाँ साफ नहीं होंगी और न ही हवा शुद्ध होगी। वैचारिक और धरातलीय क्रांति की शुरुआत हमेशा आत्म–स्वीकृति से होती है। जब तक हम यह नहीं मानेंगे कि हाँ, हमसे सामूहिक चूक हुई है, तब तक हम सुधार की ओर एक कदम भी नहीं बढ़ा सकते।

हमें अपनी जीवनशैली में आमूल–चूल परिवर्तन करना होगा। हमें श्सिंगल–यूज़ प्लास्टिकश को अपने जीवन से पूरी तरह देश निकाला देना होगा। जल संरक्षण को केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि अपनी रोज़मर्रा की अनिवार्य आदत बनाना होगा। हमें अपने घरों, मोहल्लों और शहरों में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देना होगा। एक पौधा लगाना केवल एक दिन की औपचारिकता या फोटो खिंचवाने का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी को जीवन का उपहार देने जैसा पवित्र कार्य होना चाहिए।

उठो कि अब समर शेष है,
इस धरती को बचाना होगा,
काटकर कंक्रीट के जाल को,
फिर से उपवन सजाना होगा!

यह पृथ्वी केवल हमारी नहीं है। इस पर उन तमाम जीव–जंतुओं, वनस्पतियों और आने वाली अनगिनत पीढ़ियों का भी उतना ही अधिकार है। यदि आज हमने अपने स्वार्थ के लिए इस धरती के संसाधनों को पूरी तरह निचोड़ लिया, तो इतिहास हमें कभी क्षमा नहीं करेगा। राष्ट्रकवि दिनकर जी ने ठीक ही कहा था कि जो लोग संकट के समय तटस्थ रहते हैं, समय उनके अपराध को भी इतिहास के पन्नों पर दर्ज करता है।

आइए, आज इस विचार के माध्यम से, इस गहरे आत्म–मंथन के बाद, हम सब यह संकल्प लें कि हम अपनी चूकों को सुधारेंगे। हम इस धरती को फिर से हरी–भरी, शांत और समृद्ध बनाएंगे, ताकि जब आने वाली पीढ़ियाँ हमारा मूल्यांकन करें, तो वे हमें एक विध्वंसक के रूप में नहीं, बल्कि इस सुंदर वसुंधरा के सच्चे रक्षक के रूप में याद रखें।

दिनकर की अंतिम गर्जना के साथ इस मंथन को विराम देती हूं :

भाग्यवादी मनुज नहीं,
कर्मवीर बनकर अब आगे आओ,
सींचकर अपने श्रम–जल से,
इस धरा को पुनः स्वर्ग बनाओ!

लेखिकाः डॉ. संगीता मनीष बनाफ़र प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़, जिला अध्यक्ष शहर समता प्रयागराज मंच बिलासपुर

ट्रंप और नेतन्याहू की नीतियों से परेशान दुनिया

लेबनान पर इजरायल के हमले ने पश्चिम एशिया में हालात और बिगाड़ दिए हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू के बढ़ते युद्धोन्माद को अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सही ठहराते आए हैं, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि ट्रंप ने भस्मासुर खड़ा करके अपने लिए मुसीबत मोल ले ली है। हम नहीं जानते कि ट्रंप ने भस्मासुर जैसी कोई कहानी कभी सुनी है या नहीं, लेकिन अपने लंबे जीवन अनुभव से उन्होंने इतना तो सीखा ही होगा कि बुराई का फल बुराई के रूप में ही वापस मिलता है। दरअसल लेबनान पर इजरायल के हमले रुक ही नहीं रहे हैं, हाल ही में इजरायल ने लेबनान के दहिये और बेरूत पर बमबारी करने की धमकी दी है और वहां के निवासियों के लिए इलाका खाली करने की चेतावनी जारी की है। इस पर ईरान ने भी कहा है कि इसे किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है, साथ ही इजरायल के उत्तरी इलाके पर पलटवार करने का इरादा जताते हुए वहां के निवासियों को बचने के लिए सुरक्षित स्थान जाने की सलाह दी है। ईरान ने अमेरिका से जब पहली बार अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति दी थी तो उसकी शर्तों में लेबनान पर इजरायल के हमले रोकना भी शामिल था। लेकिन बेंजामिन नेतन्याहू इसका लगातार उल्लंघन कर रहे हैं, इस पर अब डोनाल्ड ट्रंप का गुस्सा फूट पड़ा है। सोमवार को खबर आई कि ट्रंप ने फोन कॉल पर ही नेतन्याहू को कड़ी फटकार लगाई और यहां तक कह दिया कि, श्तुम पूरी तरह पागल हो चुके हो, तुम्हारी इन हरकतों की वजह से आज की तारीख में हर कोई तुमसे नफरत करता है।श बताया जा रहा है कि व्हाइट हाउस ने इजरायल को लेबनान की राजधानी बेरूत के अंदर ग्राउंड ऑपरेशन और हवाई हमलों को तुरंत रोकने के लिए कड़ा दबाव बनाया। जिसके बाद इजरायल बेरूत में अपने सैन्य कदम रोकने के लिए राजी हुआ है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि नेतन्याहू पर किस किस्म का दबाव ट्रंप बना सकते हैं, क्योंकि दावा तो यही है कि नेतन्याहू एपस्टीन फाइल्स के नाम पर ट्रंप को दबाव में रखे हुए हैं। हालांकि नेतन्याहू अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधी हैं, और उन के सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है, कई देशों में उनके जाने पर प्रतिबंध है, तो मुमकिन है ट्रंप ने उन पर ऐसा ही कोई दबाव बनाया हो। बता दें कि नेतन्याहू को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने 21 नवंबर 2024 को युद्ध अपराधी घोषित कर उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इन वारंट्स में उन पर गजा में युद्ध के तरीके के रूप में भुखमरी का उपयोग करने और नागरिकों पर जानबूझ कर हमले करने जैसे युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप लगाए गए हैं। बहरहाल, ट्रंप और नेतन्याहू में से किसने, किस पर, कौन सा दबाव बनाया, इसका खुलासा तो शायद ही कभी हो, लेकिन इन दोनों की युद्धपिपासु प्रवृत्ति ने पूरी दुनिया को बड़ी तबाही की तरफ धकेल दिया है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान को मजबूरन होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद करना पड़ा, ताकि दुनिया में तेल की आपूर्ति बाधित हो तो इन दोनों देशों को युद्ध की कीमत चुकाने का अहसास हो। हालांकि वेनेजुएला के तेलस्रोतों पर कब्जा करके या रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाकर अमेरिका अब तक अपनी दादागिरी को चला रहा है। लेकिन अब उसकी जिद भी कहीं न कहीं टूट रही है। ट्रंप जाहिर तौर पर तो ईरान के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन कभी अस्थायी युद्धविराम, इस्लामाबाद शांति वार्ता आदि के अलावा अन्य तरीकों से भी समझौतों की कोशिश में लगे हैं। ईरान पर युद्ध में अमेरिका को जितना आर्थिक और सामरिक नुकसान हुआ है, उससे अपने ही देश में ट्रंप घिर चुके हैं। ऐसे में इजरायल की बेवजह आक्रामकता से ईरान के साथ क्षेत्रीय शांति स्थापित करने की अमेरिका की पूरी कूटनीति दांव पर लग गई है, यह ट्रंप समझ रहे हैं। लेबनान पर इजरायल के हमलों के विरोध में ईरान ने ओमान और अन्य माध्यमों से अमेरिका के साथ चल रही अपनी परोक्ष शांति वार्ता को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से जुड़ी मीडिया एजेंसी श्तस्नीमश ने साफ किया है कि जब तक लेबनान और गजा में इजरायल के हमले पूरी तरह नहीं रुकते और ईरान के सहयोगियों के हितों की रक्षा नहीं होती, तब तक अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। ईरान ने दो टूक कहा है कि–एक मोर्चे पर युद्धविराम का उल्लंघन, सभी मोर्चों पर युद्धविराम का उल्लंघन माना जाएगा। इसके अलावा ईरान अपने सहयोगी यमन के हूती समूह के जरिए बाब अल–मंदाब समुद्री रास्ते को भी बंद करने की चेतावनी दी है। होर्मुज के बाद अगर बाब अल–मंदाब भी बंद हुआ तो दुनिया अकल्पनीय नुकसान में पड़ जाएगी। यमन (एशिया) और जिबूती–इरिट्रिया (अफ्रीका) के बीच स्थित यह जलमार्ग लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और आगे स्वेज नहर तक जाता है। इस संकरे रास्ते से दुनिया के कुल समुद्री व्यापार के करीब 30 प्रतिशत कंटेनर ट्रैफिक गुजरते हैं। खाड़ी देशों से यूरोप और अमेरिका जाने वाला रोजाना 40 से 70 लाख बैरल कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस इसी मार्ग से भेजा जाता है। अगर ईरान और हूती ने इस रास्ते को बाधित कर दिया, तो जहाजों को अफ्रीका के श्केप ऑफ गुड होपश से घूमकर जाना पड़ेगा। इससे यात्रा का समय 10 से 14 दिन बढ़ जाएगा, माल ढुलाई और इंश्योरेंस का खर्च बेतहाशा बढ़ेगा और पूरी दुनिया में भयानक महंगाई आ जाएगी। इस वक्त वैसे ही ऊर्जा का वैश्विक संकट कायम है, जिससे त्राहि–त्राहि मची है। अब बाब अल–मंदाब भी अगर बाधित होता है तो तय है कि इजरायल और अमेरिका के कारण केवल पश्चिम एशिया में तबाही नहीं मचेगी, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, तेल की कीमतें और सबसे बढ़कर अहम समुद्री मार्ग पूरी तरह तहस–नहस हो जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की नेतन्याहू को दी गई चेतावनी इसी आने वाली बड़ी तबाही का डर है। अमेरिका और इजरायल की आक्रामक नीतियों और कार्रवाइयों पर रूस, चीन के साथ यूरोप, अफ्रीका के कई देश आलोचना कर रहे हैं और ईरान के साथ शांति वार्ता कामयाब होने के पक्षधर हैं। लेकिन भारत इस मामले में अपना स्पष्ट रूख रखने में बार–बार कतरा रहा है। खासकर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से नरेन्द्र मोदी की नजदीकियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छे संकेत नहीं दे रही है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सही सवाल किया है कि– दुनिया के कई देश इजरायल की इस कार्रवाई की निंदा कर रहे हैं, लेकिन भारत इसमें शामिल नहीं है। क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए उनकी वास्तविक मातृभूमि (भारत) से ज्यादा उनकी तथाकथित पितृभूमि (फादरलैंड) मायने रखती है?

कहानी से ज्यादा असर छोड़ती है माधुरी और तृप्ति की जोड़ी, लेकिन क्या सिर्फ इतना काफी है?

> परेश रावल बहुत ही छोटे रोल में हैं, उनका किरदार थोड़ा अधूरा सा लगता है। गीतांजलि कुलकर्णी हमेशा की तरह भरोसेमंद हैं। अरुणोदय सिंह, जतिन सरना और बाकी कलाकार भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से करते हैं।

माधुरी दीक्षित को पर्दे पर देखकर आज भी एक अपनापन सा महसूस होता है – कभी श्हम आपके हैं कौनश की निशा, कभी दिल तो पागल है की पूजा और कभी धक–धक गर्ल। लेकिन श्मां बहनश में वह उस अंदाज में नजर आती हैं, जिसमें उन्हें हमने बहुत कम देखा है। यहां वह न किसी प्रेम कहानी का हिस्सा हैं, न ही किसी आदर्श मां का किरदार निभा रही हैं। यहां वो एक विधवा महिला के किरदार में हैं, जो अपने हिसाब से जिंदगी जीती हैं और शायद यही बात लोगों को सबसे ज्यादा खटकती है। जानते हैं कैसी है सुरेश त्रिवेणी की ये डार्क–कॉमेडी फिल्म?

रेखा (माधुरी दीक्षित) अपनी सोसायटी में चर्चा का विषय बनी रहती है। विधवा हैं, सजती–संवरती हैं, खुलकर बोलती हैं और अपने हिसाब से जिंदगी जीती हैं। यही बात आसपास के लोगों को पसंद नहीं आती। लोगों ने उनके बारे में अपनी–अपनी राय बना रखी है। दूसरी तरफ उनकी बड़ी बेटी जया (तृप्ति डिमरी) अपनी परेशानियों में उलझी हुई है। वह मां बनना चाहती है। आईवीएफ करवाना है। इसके लिए साढ़े पांच लाख रुपये चाहिए। आर्थिक दबाव है और निजी जिंदगी की उलझनें अलग। इसी बीच रेखा का घबराया हुआ फोन आता है। जया और उसकी बहन सुषमा (धारणा दुर्गा) तुरंत मां के घर पहुंचती हैं। घर के अंदर का नजारा देखकर दोनों के होश उड़ जाते हैं। कमरे में गुप्ताजी (रवि किशन) पड़े हैं। उन्हें देखकर यही लगता है कि उनकी मौत हो चुकी है। रेखा का कहना है कि यह एक हादसा है। लेकिन मामला इतना सीधा नहीं है। पुलिस को खबर करने के बजाय मां और बेटियां पहले खुद ही स्थिति संभालने की कोशिश करती हैं। मुसीबत तब और बढ़ जाती है जब सामने गुप्ताजी के घर में उनकी बेटी की सगाई की रस्में चल रही होती हैं। मेहमानों का आना–जाना लगा हुआ है। ऐसे में एक छोटी सी गलती भी बड़ा बवाल खड़ा कर सकती है। इसके बाद झूठ, गलतफहमियां और लगातार बिगड़ते हालात कहानी को आगे बढ़ाते हैं।

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। माधुरी दीक्षित लंबे समय बाद ऐसे किरदार में नजर आई हैं, जहां उन्हें खुलकर खेलने का मौका मिला है। रेखा के किरदार में वह मजेदार भी हैं, भावुक भी और कई जगह चौंकाती भी हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि वह किरदार को जरूरत से ज्यादा नाटकीय नहीं बनातीं। फिल्म के कई यादगार सीन्स उनके हिस्से आए हैं और वह उनमें पूरी तरह असर छोड़ती हैं। तृप्ति डिमरी फिल्म की सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस देती हैं। जया के किरदार में उनकी बेचैनी, झुंझलाहट और थकान लगातार महसूस होती है। कई सीन्स में वह बिना ज्यादा डायलाग के भी अपने किरदार की मनःस्थिति दर्शा देती हैं। फिल्म का इमोशनल पक्ष काफी हद तक उनके कंधों पर टिका है और वह इसे अच्छी तरह संभालती हैं। धारणा दुर्गा भी अच्छा काम करती हैं और कहानी में जरूरी एनर्जी लेकर आती हैं। मां और बहन के बीच फंसे उनके किरदार में कई मजेदार पल हैं। रवि किशन भी प्रभाव छोड़ते हैं। उनका किरदार कहानी के अहम मोड़ों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परेश रावल बहुत ही छोटे रोल में हैं, उनका किरदार थोड़ा अधूरा सा लगता है। गीतांजलि कुलकर्णी हमेशा की तरह भरोसेमंद हैं। अरुणोदय सिंह, जतिन सरना और बाकी कलाकार भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से करते हैं। सुरेश त्रिवेणी की सबसे बड़ी खूबी उनके किरदार हैं। फिल्म में भी वह ऐसे लोगों की कहानी कहते हैं जो असली लगते हैं। रेखा, जया और सुषमा सिर्फ कहानी को आगे बढ़ाने वाले किरदार नहीं हैं, बल्कि अपनी–अपनी परेशानियों और कमजोरियों के साथ नजर आते हैं।

फिल्म की एक दिलचस्प बात यह भी है कि रेखा के किरदार के जरिए समाज की सोच पर हल्का–सा तंज किया गया है। एक विधवा महिला जो अपने हिसाब से जिंदगी जीती है, स्लीवलेस ब्लाउज पहनती है और किसी की परवाह नहीं करती, वही पूरी कॉलोनी की नजर में समस्या बन जाती है। फिल्म बिना भाषण दिए इस सोच को सामने रखती है। डार्क ह्यूमर भी कई जगह अच्छा काम करता है। खासकर वे सीन्स जहां तीनों महिलाएं हालात संभालने की कोशिश में उन्हें और उलझा देती हैं। इन स्थितियों से कई मजेदार पल निकलते हैं। हालांकि फिल्म का स्क्रीनप्ले हर जगह एक जैसा मजबूत नहीं है। इंटरवल के बाद रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ती है, कुछ हिस्से जरूरत से ज्यादा खिंचे हुए लगते हैं। फिल्म समाज, रिश्तों और महिलाओं को लेकर बनी धारणाओं पर कई बातें छेड़ती है, लेकिन उनमें से कुछ को और गहराई से दिखाया जा सकता था। यही वजह है कि अच्छे विचार होने के बावजूद फिल्म हर जगह उतना असर नहीं छोड़ पाती, जितनी उम्मीद बनाती है। मां बहन परफेक्ट फिल्म नहीं है, लेकिन मनोरंजन करने में सफल रहती है। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं और डार्क कॉमेडी का अंदाज फिल्म को अलग पहचान देता है।

शाहिद-कृति और रश्मिका की कॉकटेल 2 ने रिलीज से पहले की जमकर कमाई, बजट का 50 प्रतिशत किया वसूल

> इसमें शानदार लोकेशंस, बेहतरीन संगीत और स्टाइल पर काफी ध्यान दिया गया है, ताकि दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक शानदार अनुभव मिल सके। सोशल मीडिया पर अफवाहें थीं कि फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना के बीच एक लेस्बियन प्रेम कहानी दिखाई गई है।

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की रोमांटिक फिल्म कॉकटेल 2 इस महीने की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया हैं। यह साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। हाल ही में मुंबई में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। वहीं फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपने बजट का 50 प्रतिशत रुपया वसूल कर लिया है। कॉकटेल 2 बॉलीवुड की अब तक की सबसे महंगी रोमांटिक फिल्मों में से एक है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, कॉकटेल 2 का कुल बजट लगभग 150 करोड़ रुपये है। फिल्म को बनाने का खर्च 95 करोड़ रुपये है। शाहिद, कृति और रश्मिका की फीस मिलाकर लगभग 35 करोड़ है। प्रचार और विज्ञापन में 20 करोड़ रुपये लगे हैं। फिल्म कॉकटेल 2 ने रिलीज होने से पहले ही थिएटर, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स बेचकर अपने बजट का 50 प्रतिशत यानी करीब 75 करोड़ रुपये कमा लिया हैं। कॉकटेल 2 के निर्माता दिनेश विजन ने इस फिल्म को बहुत बड़े पैमाने पर बनाया है। फिल्म की शूटिंग दुनिया भर की खूबसूरत जगहों पर सिर्फ 70 दिनों में पूरी की गई है। इसमें शानदार लोकेशंस, बेहतरीन संगीत और स्टाइल पर काफी ध्यान दिया गया है, ताकि दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक शानदार अनुभव मिल सके। सोशल मीडिया पर अफवाहें थीं कि फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना के बीच एक लेस्बियन प्रेम कहानी दिखाई गई है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान टीम ने इस पर खुलकर बात की। कृति ने कहा, यह बहुत दुख की बात है कि अगर दो लड़के साथ हों, तो लोग उन्हें दोस्त कहते हैं। लेकिन अगर दो लड़कियां साथ हों, तो लोग यह मानने को तैयार ही नहीं होते कि वे सिर्फ दोस्त हो सकती हैं। निर्देशक होमी अदजानिया ने बताया कि शूटिंग के दौरान कृति और रश्मिका बहुत अच्छी सहेलियां बन गई थीं। उन्हें साथ देखकर टीम ने मजाक में सोचा था कि क्या होगा अगर फिल्म की कहानी इन दोनों लड़कियों पर ही हो और शाहिद कपूर का किरदार बीच में आ जाए। इसी मजाक से यह अफवाह उड़ी। कॉकटेल 2 मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी है। कॉकटेल 2 इसी महीने 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रूपाली गांगुली ने की कपड़ों पर पैसा ना वेस्ट करने की अपील, बोली–प्लीज सेलिब्रिटीज के फैशन ना करो फॉलो

टेलीविजन अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने लोगों से अपने कपड़ों को रीसायकल करने और उन्हें नया रूप देने का आग्रह किया है। हाल ही में एक फैशन शो में प।छे से घ्घ्खास बातचीत करते हुए श्अनुपमाश अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि फैशन का मतलब सिर्फ नए कपड़े खरीदना ही नहीं है, बल्कि अपने मौजूदा कपड़ों का रचनात्मक तरीके से दोबारा इस्तेमाल करना भी है। जब उनसे पूछा गया कि वह फैशन से जुड़ी अपनी पसंद के बारे में लोगों को क्या सलाह देना चाहेंगी, तो रूपाली ने अपने फैंस से अपील की कि वे सेलिब्रिटीज से प्रेरित लुक्स पर पैसे खर्च करने की अपनी आदतों पर दोबारा विचार करें। उन्होंने इस बात पर जार दिया कि सेलिब्रिटीज जो कपड़े पहनते हैं, उनमें से ज्यादातर या तो किसी ब्रांड के साथ कोलेबोरेशन का हिस्सा होते हैं या फिर उन्हें प्रोडक्शन हाउस की तरफ से दिए जाते हैं। इसलिए, उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे उन स्टाइल्स की नकल करने की कोशिश में जरूरत से ज्यादा पैसे खर्च न करें। साराभाई वर्सेस साराभाई की अभिनेत्री ने यह भी कहा कि लोगों को बेवजह पैसे खर्च करने के बजाय अपने मौजूदा कपड़ों को ही रीसायकल करके उन्हें नया रूप देना चाहिए। उन्होंने कहा– मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि आप चाहे कोई भी हों, प्लीज सेलिब्रिटीज के कपड़ों पर पैसे खर्च न करें। क्योंकि ज्यादातर कपड़े या तो कोलेबोरेशन के तहत आते हैं या फिर प्रोड्यूसर उन्हें देते हैं। सेलिब्रिटीज खुद ज्यादा पैसे खर्च नहीं करते। इसलिए, प्लीज अपनी जेब पर बेवजह का बोझ न डालें। अपने कपड़ों को रीसायकल करें और उन्हें नया रूप दें। फैशन का उनके लिए क्या मतलब है, इस बारे में बात करते हुए गांगुली ने कहा–सच कहूं तो, मैंने कभी फैशन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। और मुझे ये सब बातें समझ भी नहीं आतीं। क्योंकि जो चीजें मुझे पसंद हैं, हो सकता है कि दूसरों को वे पसंद न आएं। आजकल बहुत सारे अच्छे डिजाइनर्स हैं। आप उन्हें टीवी पर भी देख सकते हैं। मुझे लगता है कि जो कोई भी साड़ी को अच्छे से कैरी कर लेता है।

वायरल इंस्टाग्राम स्टोरी पर नुसरत भरूचा ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं– इतना बवाल क्यों मचा है?

अभिनेत्री नुसरत भरूचा उस समय अचानक सुर्खियों में आ गईं, जब विराट कोहली की आरसीबी के आईपीएल जीतते ही उन्होंने एक स्टोरी साझा की। उनकी ये इंस्टाग्राम स्टोरी देखते–देखते ही वायरल हो गई। स्टोरी में दिख जरूर आरसीबी की जीत रही थी, लेकिन पीछे आ रही आवाजों ने सुर्खियां बटोरीं और स्टोरी को वायरल कर दिया। इसके बाद इस पर नुसरत को लेकर तरह–तरह के रिएक्शन आने लगे। अब नुसरत भरूचा ने इस वायरल स्टोरी पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है। नुसरत ने फिर से वो ही वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'फिर से पोस्ट कर रही हूं, क्योंकि मैं जानना चाहती हूं कि मेरे पप्पी (छोटे कुत्ते) की आवाजों से क्या दिक्कत है और क्यों इतना बवाल मचा है। कुछ लोगों ने हद ही कर दी है। एक पप्पी के रोने की आवाज से इतना बवाल मचा दिया। फिर किसी ने मेरी ओर से फर्जी स्पष्टीकरण भी साझा कर दिया। सच ये है कि मैं अपनी एक दोस्त के यहां मैच देख रही थी और वहां एक पप्पी पीछे रो रहा था, जिसकी आवाजें आ रही थीं। यह वीडियो मेरी दोस्त ने उसी समय बनाया।' बीते दिन इस घटना के बाद नुसरत सार्वजनिक रूप से नजर आई, लेकिन इस दौरान भी वो पैपराजी से बचती दिखीं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई स्पष्टीकरण दिए हैं, जिनमें उस कमरे का एक वीडियो भी शामिल है, जहां कथित तौर पर वह उस दिन मैच देख रही थीं। उन्होंने लिखा, 'यह वही घर है जहां मैं मैच देख रही थी। यह मेरा पप्पी (छोटा कुत्ता) है। यह उसी रात का कुछ देर बाद का वीडियो है। मुझे डर था कि शायद कुछ हो गया होगा, इसलिए मुझे वह वीडियो डिलीट करने की सलाह दी गई और मैंने कर दिया। आप लोग अपने बेबुनियाद विचारों पर काबू रखें। मोबाइल फोन होने से उत्पीड़न का अधिकार नहीं मिल जाता। गलत मतलब न निकालें और आंख बंद करके किसी भी बात को सच न मान लें। सोच–समझकर और जिम्मेदारी से काम लें। वर्कफ्रंट की बात करें तो नुसरत भरूचा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'छोरी 2' में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अब नुसरत अगली बार मनोज बाजपेयी के साथ घुसखोर पंडत में नजर आएंगी। फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद उठने के बाद अब इसे नए शीर्षक के साथ रिलीज किया जाएगा।

लंच में बच्चों के लिए बनाएं रेस्टोरेंट स्टाइल वेज फ्राइड राइस, नोट करें इजी रेसिपी

अगर आपके बच्चे का लंच टाइम में रोटी खाने का मन नहीं कर रहा तो आप उसे कुछ हल्का बनाकर खिला सकते है जैसे कि वेजिटेबल फ्राइड राइस की रेसिपी। जोकि एक चाइनीजध्इंडो–चाइनीज व्यंजन की डिश है जिसको बनाने में सभी तरह की सब्जियां का इस्तेमाल होता है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी होती है। बच्चे इसे बड़े शौक से खाते है। तो चलिए जानते है इस असान रेसिपी के बारे में।

सामग्री

चावल –2 कप (पके हुए)

तेल – 3 चम्मच

हरी सब्जियां – डेढ़ कप छोटे टुकड़ों में कटी हुई (गाजर, फूलगोभी, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, बींस, प्याज, टमाटर व मटर)

वेज फ्राइड राइस मसाला (बाजार में उपलब्ध)

नमक – स्वादानुसार

बनाने की विधि

1 वेज फ्राइड राइस बनाने के लिए सबसे पहले एक कड़ाही में तेल गर्म करें।

2 जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें सारी सब्जियां डालकर भून लें।

3 फिर इसमें स्वादानुसार नमक और आवश्यकतानुसार केचप डालें।

4 इसके बाद इसमें 2 चम्मच वेज फ्राइड राइस मसाला डालें।

5 अब सब्जियों को हल्का पकाएं।

6 फिर इसमें पके हुए चावल डालकर कड़छी से मिक्स करें।

7 अगर आपको लगे कि वेज फ्राइड मसाला कम है तो थोड़ा और मिक्स करें।

8 लीजिए तैयार है बच्चे के लंच के लिए वेज फ्राइड राइस।

करियर में नहीं मिल रही तरक्की तो वास्तु के इन उपायों को अपनाकर चमकाएं अपनी किस्मत

वास्तु शास्त्र के नियम पर चलकर हमारी जीवन की सारी परेशानियां तो हल होती ही है लेकिन क्या आप जानते है। वास्तु शास्त्र हमारे कॅरियर में भी अच्छी खासी ग्रोथ करता है जी हां यह बिलकूल सच है। अगर आप भी अपने काम में तरक्की चाहते है चाहते है तो आपको वास्तु के कुछ उपाय को फॉलो करना होगा। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

अपनी चीजों को अस्थव्यस्थ न रखें

वास्तु शास्त्र का कहना है कि घर हो या ऑफिस कभी भी अपनी चीजों को अस्थव्यस्थ न रखें।। ऐसा करने से नेगेटिव ऊर्जा उत्पन्न होती है। उनका कहना है कि जब भी गर से काम को निकले तो ऑफिस जाकर वर्क डेस्क की अच्छे से सफाई करें। इसके बाद ही काम ऑफिस का कामकाज करें। ध्यान रहे डेस्क पर वालतु चीजें तो बिलकुल न रखें।

इस दिशा में रखें अपना लैपटॉप

वास्तु में यह मानयता है कि घर या ऑफिस में काम करते समय आपका मुख उत्तर या पूर्व की ओर होना चाहिए। उत्तर या पूर्व की ओर मुख करके काम करना या बैठना शुभ माना जाता है। अगर आप उत्तर या पूर्व मुख नहीं कर सकते तो आप पश्चिम दिशा में भी मुख कर सकते हैं परन्तु दक्षिण दिशा में नहीं होना चाहिए। ऐसा करना आपके लिए संकट खड़े कर सकता है। अगर आपकी सेहत खराब है तो आप ऑफिस आकर काम नहीं कर सकते है तो वर्क फ्रॉम होम काम करते समय इस बात का ख्याल रखे कि घर के ईशान कोण या वायव्य कोण में अपना सेटअप बनाएं। इन दो स्थानों पर काम करने से आपको हमेशा तरक्की मिलेगी। आग्नेय कोण में कभी काम न करें। यहां काम करना आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

स्पोर्ट्स ड्रिंक से भी कई ज्यादा फायदेमंद है एक कप नारियल पानी, इम्यून सिस्टम होगा बेहतर

शरीर में इम्यूनिटी सिस्टम को बेहतर बनाएं रखने के लिए नारियल पानी पीना बेस्ट ऑप्शन है। इसमें लेक्ट्रोलाइट्स, लॉरिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम और जिंक की भरपूर मात्रा पाई जाती है। बता दें कि नारियल पानी में 95ः तक पानी पाया जाता है। यही कारण है कि दूसरे ड्रिंक्स जैसे स्पोर्ट्स ड्रिंक्स या अन्य के मुकाबले यह ज्यादा फायदेमंद होता है। नारियल पानी पीने से शरीर को तेजी से इंस्टैंट इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। अगर आप सोचते हैं कि नारियल का पानी गर्मी में ज्यादा फायदेमंद होता है तो ऐसा नहीं है। आप इसका सेवन बिना किसी हिचकिचाहट के सर्दियों में भी कर सकते हैं। तो चलिए जानते है इसे पीने से शरीर को क्या फायदे होते है। इम्यूनिटी सिस्टम

पेट के लिए फायदेमंद

इसे पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं रहती। पेट से संबंधित परेशानियों से छुटकारा मिलता है ध नारियल का पानी पीने से दस्त, डायरिया, पेट में दर्द, जलन, एसिडिटी आदि से राहत

मिलती है।

ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल

नारियल पानी में पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होने से यह ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन, आयरन, कैल्शियम, एंटी–ऑक्सीडेंट गुण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में मदद करते हैं।

किडनी के लिए रामबाण है नारियल पानी

एक कप नारियल पानी में 600 मिलीग्राम पोटैशियम मिलता है। यह पूरे दिन की डाइट का 16 प्रतिशत पोटैशियम होता है। जो आपकी किडनी और मांसपेशियों के लिए काफी जरूरी होता है। एक

कप नारियल पानी में 60 मिलीग्राम मैग्नीशियम भी मिलता है।

वजन घटाएं

वजन घटाने में नारियल पानी बेस्ट ऑप्शन है। यह लो कैलोरी ड्रिंक होने के कारण शरीर की जमा एक्सट्रा फैट को कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही इसके सेवन से शरीर को बारे जरूरी तत्व भी मिलते हैं।

चमकदार त्वचा के लिए नारियल पानी

नारियल पानी में पानी की ज्यादा मात्रा होने के चलते स्किन को हाइड्रेट रखने में काफी मदद मिलती है। इतना ही नहीं इससे मॉइस्चराइज करने में भी हेल्प मिलती है।

गर्मियों में मेकअप हो जाता है मेल्ट तो फॉलो करें ये टिप्स, मिलेगा परफेक्ट लुक

गर्मियां आते ही पसीने और पॉल्यूशन के कारण फेस पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। गर्मियों में चेहरे पर झाइयां, मुंहासे, टैनिंग और दाने की समस्या होना आम बात है। वहीं पार्टी व फक्शन में जाने के लिए जब तैयार हुआ जाता है, मेकअप को चेहरे से मेल्ट होने से बचाना एक मुश्किल टास्क नजर आता है। इसी कारण महिलाएं दोपहर में बाहर जाने से कतराती हैं। क्योंकि धूप, धूल और पसीने के कारण मेकअप कई बार खराब हो जाता है। जिसके चलते उनका पूरा लुक बेकार हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या का उपाय चाहती हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप अपने मेकअप को मेल्ट होने से बचा सकती हैं।

ज्यादातर महिलाएं गर्मियों में अपनी स्किन को मॉइश्चराइज नहीं करते हैं। ऐसे में चेहरे पर पसीना आने लगता है और मेकअप मेल्ट होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए जब आप मेकअप का इस्तेमाल नहीं करती हैं तो अपनी स्किन पर मॉइस्चर जरूर करें।

अच्छे प्राइमर का करें इस्तेमाल

अगर आप भी गर्मियों में अपने मेकअप को मेल्ट से होने

बचाना चाहती हैं। तो इसके लिए जरूरी है कि आप सही व अच्छे प्राइमर का इस्तेमाल करें। सही प्राइमर आपके फेस के मेकअप के ऑयल को बैलेंस करने का काम करता है। वहीं अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऑयली स्किन के लिए बनाए गए प्राइमर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हल्के फाउंडेशन का करें यूज

गर्मियों में हमेशा हल्के फाउंडेशन का इस्तेमाल करना सही माना जाता है। गर्मियों में अगर आप हैवी फाउंडेशन का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपकी त्वचा की ऑक्सीजन लॉक होने की संभावना होती है। जिसके कारण पोर्स से अधिक पसीना आने लगता है और आपका मेकअप मेल्ट होने लगता है।

पाउडर से सेट करें मेकअप

गर्मी के मौसम में मेकअप को पाउडर के द्वारा सेट करना बहुत जरूरी होता है। इसलिए फाउंडेशन और कंसीलर को सेट करने के लिए आप मार्केट में मिलने वाली ट्रांसलूसेंट पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट

गर्मियों में वाटर प्रूफ प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। बाजार में आपको वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट आसानी से मिल जाएंगे। वाटरप्रूफ मेकअप आपके मेकअप को मेल्ट होने से बचाता है।

गर्मियों में रोजाना पीएंगे अनानास का जूस तो दूर रहेगी ये बीमारियां, आज ही डाइट में करें शामिल

गर्मियों में अक्सर लोगों को कई सारी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। ऐसे मौसम में न ज्यादा खाने का मन करता है न ज्यादा बहार जाने का। ऐसी स्थिति में शरीर को ठंडा रखना बहुत ही जरूरी है। अगर आप गर्मियों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं तो अपनी डाइट में अनानास का जूस जरूरपीएं। क्योंकि इनमें वे सारे विटामिन मिनरल पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो अच्छी सेहत बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस फल की तासीर ठंडी होती है। ऐसे में इस फल को गर्मी में खाने या इसका जूस पीने से आपके शरीर को बहुत सारे फायदे होते है। तो चलिए जानते है इनके बारे में।

पोषक तत्वों से भरपूर

अनानास में मौजूद मैंगनीज, कॉपर, विटामिन–बी6 और सी जैसे पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य, इम्यूनिटी, घाव भरने, ऊर्जा के उत्पादन और ऊतक संश्लेषण में अहम भूमिका निभाता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, फॉसफोरस, जिंक, कोलीन, विटामिन–के और बी की भी कुछ मात्रा होती है।

सूजन को कम कर सकता है

अनानास के जूस में ब्रोमेलैन, एंजाइम्स का एक समूह होता है, जो आघात, चोट, सर्जरी, संधिशोथ या पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण होने वाली सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी को बढ़ावा देता है

गर्मी के मौसम में इस जूस का सेवन करने से हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। दरअसल यह एंटीबायोटिक्स के असर को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है।

पाचन में भी मददगार

अनानास के रस में ब्रोमेलैन होता है, जो पाचन में मदद कर सकता है, हानिकारक, दस्त पैदा करने वाले बैक्टीरिया से बचा सकता है और सूजन आंत्र विकार वाले लोगों में सूजन को कम कर सकता है।

दिल की सेहत को बढ़ावा दे सकता है

अनानास में एंटी ऑक्सीडेंट और विटामिन सी की मौजूदगी होती है, जो कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से आप को बचाते हैं, जो लोग हाई बीपी की समस्या से परेशान हैं उन्हें डाइट में अनानास का जरूर जरूर शामिल करना चाहिए. इससे हार्ट डिजीज के खतरे कम हो सकते हैं।

संक्षिप्त

भारत–अफगानिस्तान के बीच अब तक खेला गया है सिर्फ एक टेस्ट

मुल्लांपुर,एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगा। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बंगलूरू में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है। हर्ष दुबे भी अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी घूमती गेंदों से बल्लेबाजों को तंग करते हुए नजर आ सकते हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और ऋषभ पंत की मौजूदगी में भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी मजबूत नजर आ रहा है। खराब फॉर्म से जूझ रहे पंत के पास इस टेस्ट में दमदार प्रदर्शन करने का सुनहरा मौका होगा। वहीं, यशस्वी जायसवाल और पडिक्कल भी मौका मिलने पर अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को भी टीम में स्थान दिया गया है। तेज गेंदबाजी की अगुआई मोहम्मद सिराज करते हुए नजर आएंगे और उनका साथ प्रसिद्ध कृष्णा देंगे। विकेटकीपर के तौर पर पंत के साथ–साथ ध्रुव जुरेल को भी टीम में रखा गया है। एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीमरू शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

रिकॉर्ड उत्पादन और सरकारी खरीद से मंडियों में टूटा गेहूं का भाव, किसानों की आमदनी पर संकट गहराया

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में इस साल गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन और उम्मीद से अधिक सरकारी खरीद ने मंडियों का समीकरण पूरी तरह बदल दिया है। सरकार की गेहूं खरीद 2026–27 के रबी विपणन सत्र में 17 फीसदी बढ़कर 3.5 करोड़ टन से अधिक हो गई है। यह 3.45 करोड़ टन के तय लक्ष्य और पिछले वर्ष के तीन करोड़ टन के स्तर दोनों से अधिक है। एक तरफ जहां सरकारी गोदाम गेहूं से पट रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ मंडियों में बंपर आवक और व्यापारियों की कमजोर दिलचस्पी के कारण गेहूं की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि खुली मंडियों में भाव टूटने से किसानों की नकद कमाई प्रभावित होगी, जिससे पहले से ही सुस्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव और ज्यादा बढ़ सकता है। कटाई के समय (मार्च–अप्रैल) हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण इस साल गेहूं की चमक एवं दानों को नुकसान पहुंचा था। इस वजह से निजी मिलर्स और बड़े व्यापारी खराब गुणवत्ता वाले गेहूं को महंगे दामों पर खरीदने के इच्छुक नहीं दिखे। दूसरी तरफ, कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस फसल वर्ष (2025–26) में देश में गेहूं उत्पादन बढ़कर 12.06 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले साल के 11.79 करोड़ टन से अधिक है।घ्बंपर उत्पादन और बाजार की सुस्ती के चलते पिछले एक महीने में देशभर के विभिन्न मंडियों में गेहूं की कीमतों में करीब 2.5 फीसदी तक की गिरावट आ चुकी है। सरकार का गेहूं स्टॉक पिछले साल के 356.72 लाख टन से बढ़कर 427.98 लाख टन हो गया है, जो अब केंद्रीय पूल में 5.13 करोड़ टन के मजबूत स्तर पर पहुंच चुका है। यह जुलाई के अनिवार्य बफर मानक 2.75 करोड़ टन से काफी अधिक है। एग्रोकॉर्प इंटरनेशनल के रिसर्च हेड इंद्रजीत पॉल ने कहा, अल्पावधि में भाव सीमित दायरे में रहेगा। कीमतों में बड़ी तेजी की एकमात्र उम्मीद निर्यात से है, लेकिन रूस और यूक्रेन के मुकाबले भारतीय गेहूं अभी महंगा है, जिससे बड़े निर्यात की उम्मीद कम है। दाम गिरने और सरकार के 67 फीसदी गेहूं खरीदने से किसानों को उपज की वह कीमत नहीं मिल पाई, जो पिछले वर्षों में निजी व्यापारियों से मिलती थी। किसानों की जेब में कम पैसा पहुंचने का सीधा असर ग्रामीण इलाकों में रोजमर्रा के सामान जैसे ट्रैक्टर और टू–व्हीलर की बिक्री पर पड़ सकता है। इससे ग्रामीण बाजार में सुस्ती गहराएगी।

ललित मोदी ने 2007 में द्रविड़–सचिन और गांगुली से किसी बात को लेकर मांगी थी भीख? सुनाई पूरी कहानी

लंदन,एजेंसी। आज टी20 क्रिकेट दुनिया के सबसे लोकप्रिय प्रारूपों में से एक है और टी20 विश्व कप किसी भी क्रिकेटर के लिए सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में गिना जाता है, लेकिन 2007 में हालात बिल्कुल अलग थे। उस समय न तो खिलाड़ियों को इस प्रारूप पर ज्यादा भरोसा था और न ही क्रिकेट प्रशासकों को इसकी लोकप्रियता का अंदाजा था। पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि पहले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले उन्हें भारतीय खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध करना पड़ा था कि वे इस टूर्नामेंट में हिस्सा लें। भारत का 2007 इंग्लैंड दौरा 19 जुलाई से आठ सितंबर तक चला था, जिसमें तीन टेस्ट और सात वनडे मैचों की सीरीज खेली गई थी। यह दौरा पहले टी20 विश्व कप की शुरुआत से ठीक पहले समाप्त हुआ था, क्योंकि टूर्नामेंट 11 सितंबर 2007 से दक्षिण अफ्रीका में शुरू हुआ था। इंग्लैंड दौरे पर भारत की टीम में उस समय के दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली शामिल थे। हालांकि, टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम काफी युवा थी और उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली थी। भारत ने उस टूर्नामेंट में एमएस धोनी की कप्तानी में हिस्सा लिया। टीम में वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर, दिनेश कार्तिक, आरपी सिंह और इरफान पठान जैसे खिलाड़ी शामिल थे। यही युवा टीम आगे चलकर इतिहास रचते हुए पहले टी20 विश्व कप 2007 का खिताब जीतने में सफल रही, जिसने भारतीय क्रिकेट में टी20 युग की नींव रखी। ललित मोदी के मुताबिक, उस समय कई खिलाड़ी टी20 प्रारूप को लेकर उत्साहित नहीं थे। खिलाड़ियों का मानना था कि टी20 क्रिकेट एक बेवकूफी भरा खेल है और लंबे इंग्लैंड दौरे के बाद वे अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते थे। मोदी ने कहा कि उस दौर में टी20 क्रिकेट को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता था, जितनी आज दी जाती है। उन्होंने मौजूदा समय से तुलना करते हुए कहा कि अब टी20 विश्व कप का महत्व इतना बढ़ चुका है कि यदि कोई बड़ा खिलाड़ी विश्व कप खेलने से इनकार कर दे तो फैंस, खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रशासकों के बीच भारी नाराजगी और विवाद खड़ा हो जाएगा। उनके मुताबिक, 2007 में जिस प्रारूप को लेकर खिलाड़ियों में संदेह था, वही आज विश्व क्रिकेट का सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली प्रारूप बन चुका है। ललित मोदी ने बताया कि 2007 में इंग्लैंड दौरे के दौरान वह भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में गए थे और खिलाड़ियों से टी20 विश्व कप खेलने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, मैं 2007 में इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के हर खिलाड़ी के पास ड्रेसिंग रूम में गया। मैंने उनसे कहा– कृपया टी20 खेलिए, मैं आपसे विनती करता हूं। लेकिन उन्होंने कहा– ललित, क्या आप मजाक कर रहे हैं? यह कैसा बेवकूफी भरा खेल है? हम इसे नहीं खेलना चाहते। ड्रेसिंग रूम में लगभग हर खिलाड़ी ने मुझसे यही कहा। वे कहते थे कि हमने लंबा दौरा किया है और अब अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। ललित मोदी ने कहा कि बीसीसीआई ने भी उस समय टी20 विश्व कप को उतनी अहमियत नहीं दी थी और दक्षिण अफ्रीका में युवा टीम भेजने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा, बीसीसीआई ने अपना मुख्य भारतीय दल ही दक्षिण अफ्रीका नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि नई टीम भेजते हैं और उसकी कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी को देते हैं। टीम पूरी तरह युवा और अनुभवहीन थी। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ी उस विश्व कप में नहीं खेले थे। उन्होंने यह भी कहा कि आज के दौर में किसी विश्व कप में बी टीम भेजने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। ललित मोदी का दावा है कि शुरुआती दौर में टी20 विश्व कप को दर्शकों का खास समर्थन नहीं मिल रहा था। लेकिन युवराज सिंह द्वारा स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में लगाए गए छह छक्कों ने पूरे टूर्नामेंट की तस्वीर बदल दी। उन्होंने कहा, श्दक्षिण अफ्रीका में हुए टी20 विश्व कप की रेटिंग युवराज सिंह के छह छक्कों से पहले बहुत खराब थी। उसी घटना के बाद लोगों का ध्यान इस टूर्नामेंट की ओर गया और इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। ललित मोदी ने कहा कि जब अधिकांश लोग टी20 क्रिकेट की सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं थे, तब उन्हें विश्वास था कि यह प्रारूप भविष्य में क्रिकेट की दिशा बदल देगा। उन्होंने कहा, मैं दुनिया भर में घूम–घूमकर लोगों को समझाने की कोशिश कर रहा था क्योंकि मुझे पता था कि यह प्रारूप सफल होगा। उस समय बहुत कम लोग थे जो टी20 क्रिकेट पर भरोसा करते थे। आज आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन चुकी है।

इस टूर्नामेंट में अपनी खूबसूरती का बिखेरा जलवा, सोशल मीडिया पर युवाओं की नई क्रश बनीं

पेरिस,एजेंसी। आईपीएल 2026 के समाप्त होते ही क्रिकेट प्रेमियों को मध्य प्रदेश लीग टी20 सिंधिया कप का रोमांच देखने को मिल रहा है। टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में जहां खिलाड़ियों ने आकर्षण बटोरा, वहीं ओपनिंग सेरेमनी की मेजबानी कर रहीं आयुषी शेखावत भी चर्चा में आ गईं। ग्वालियर चीता और उज्जैन फाल्कन्स के बीच खेले गए पहले मुकाबले से पहले उनकी मौजूदगी ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग उनके बारे में जानकारी तलाशने लगे। आयुषी शेखावत सिर्फ स्पोर्ट्स प्रेजेंटर ही नहीं, बल्कि एक अभिनेत्री और पूर्व न्यूज एंकर भी हैं। उन्होंने कई प्रमुख समाचार चैनलों में काम किया है। खेल जगत में उनकी पहचान मुख्य रूप से आईपीएल होस्ट के रूप में बनी। इसके अलावा उन्होंने अमेजन मिनी और एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज सेना गार्डियंस ऑफ द नेशन में भी अभिनय किया है। आयुषी शेखावत का जन्म पांच नवंबर 1998 को राजस्थान में हुआ था। फिलहाल वह 27 वर्ष की हैं और एंकरिंग से पहचान बना रही हैं। उनकी शुरुआती शिक्षा पोर्ट ब्लेयर और कोच्चि से हुई। इसके बाद उन्होंने भिवाड़ी स्थित स्कूल से आगे की पढ़ाई पूरी की। पत्रकारिता और जनसंचार की पढ़ाई उन्होंने जयपुर से की। आयुषी ने सिर्फ आईपीएल ही नहीं, बल्कि कई बड़े टूर्नामेंट्स में भी प्रेजेंटर की भूमिका निभा चुकी हैं। वह बैडमिंटन और पिकलबॉल के टूर्नामेंट्स में भी स्पोर्ट्स प्रेजेंटर की भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा है।

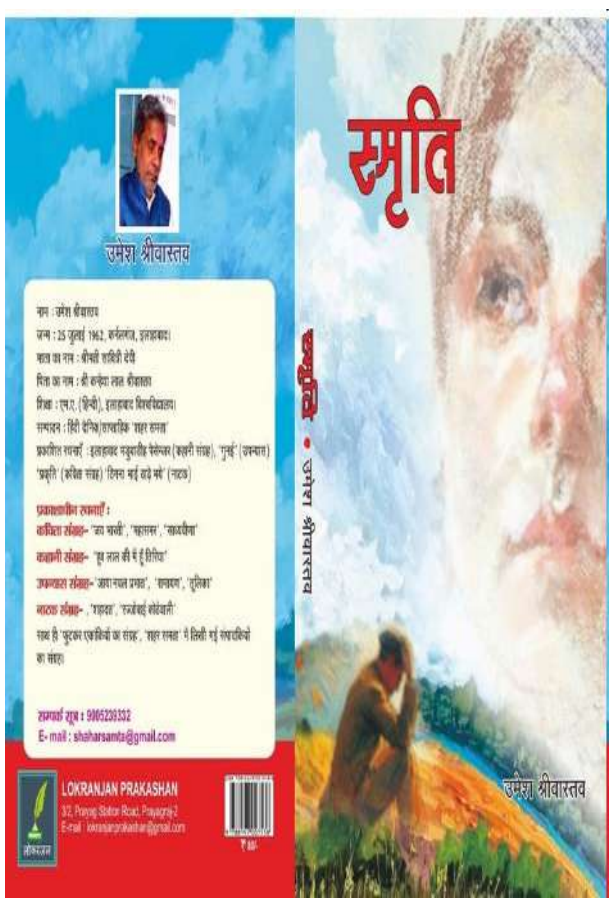

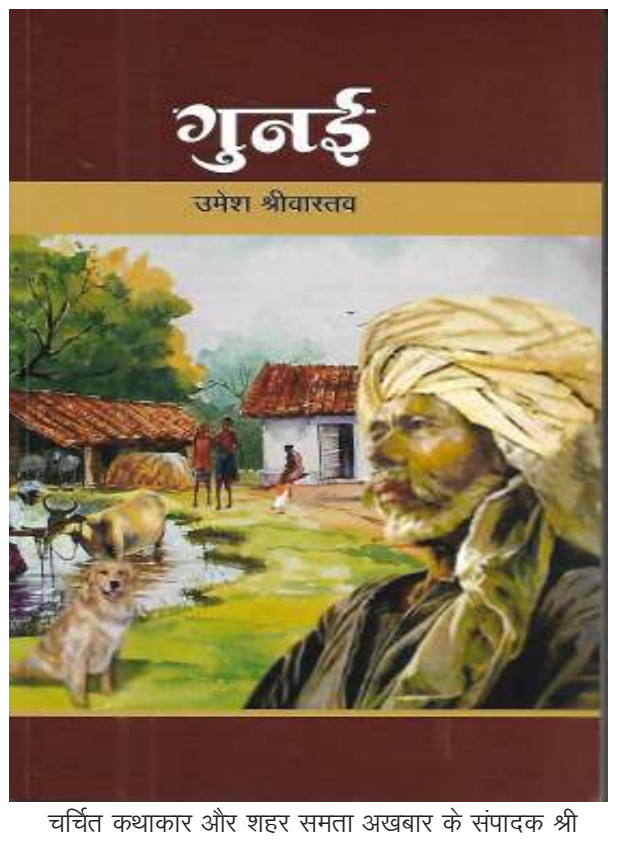

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

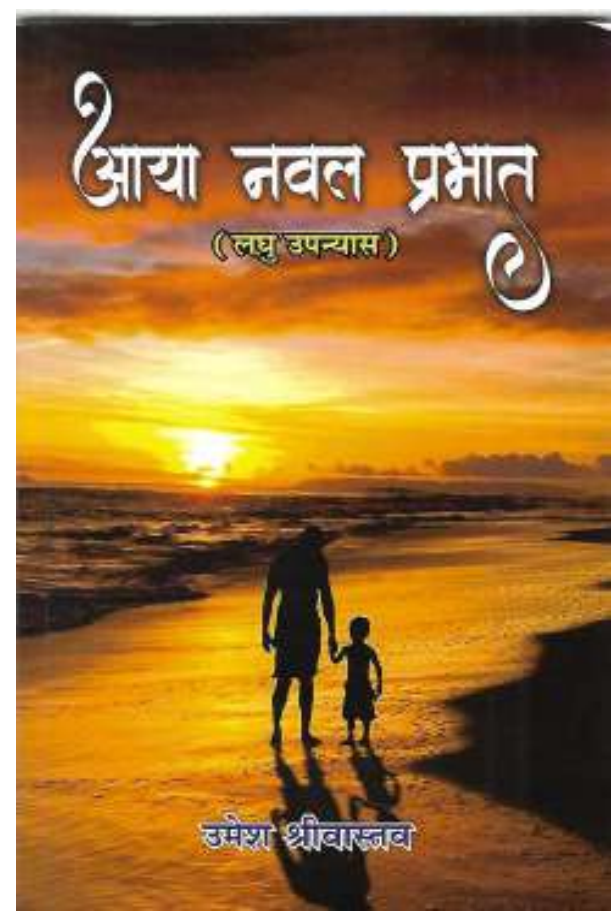

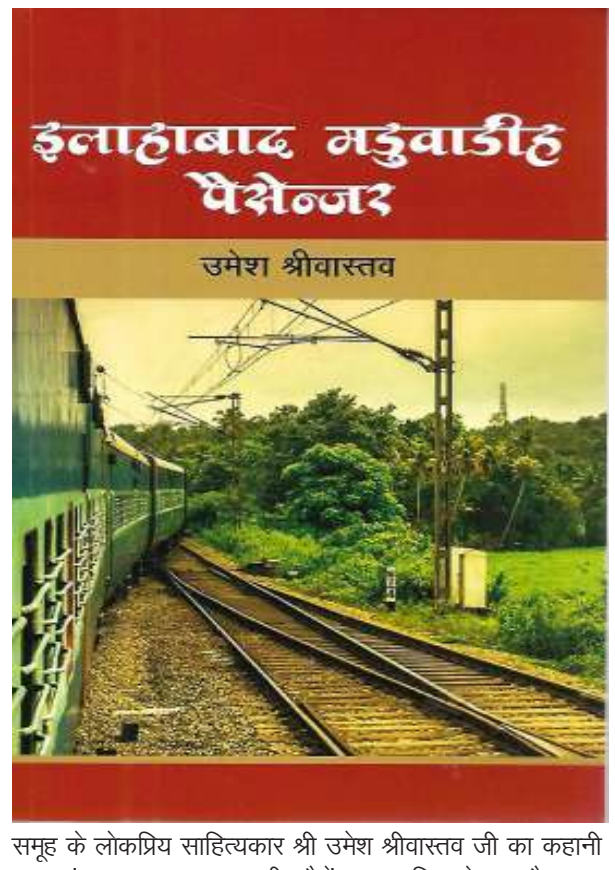

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

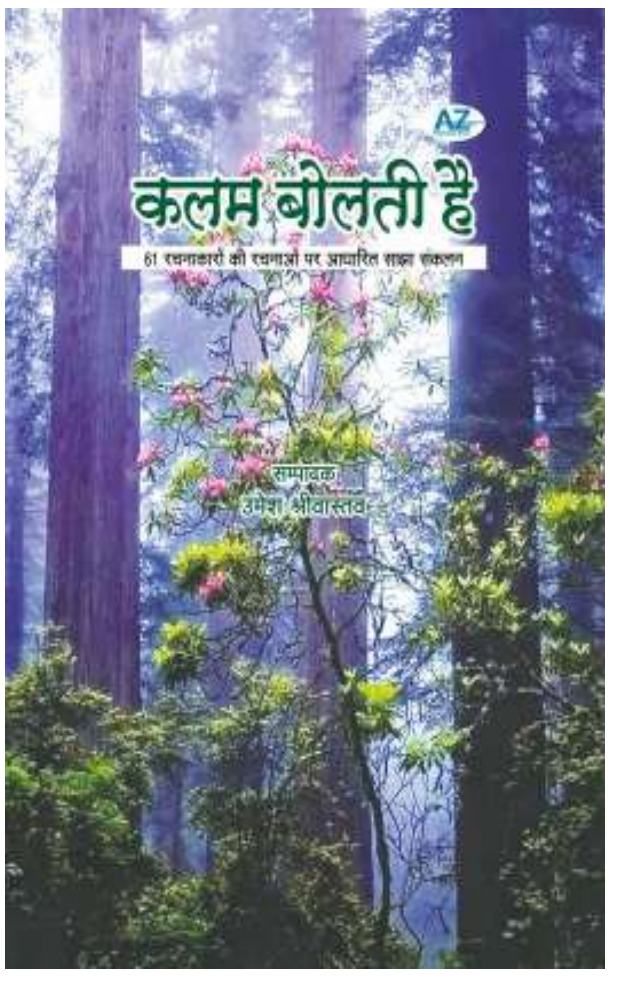

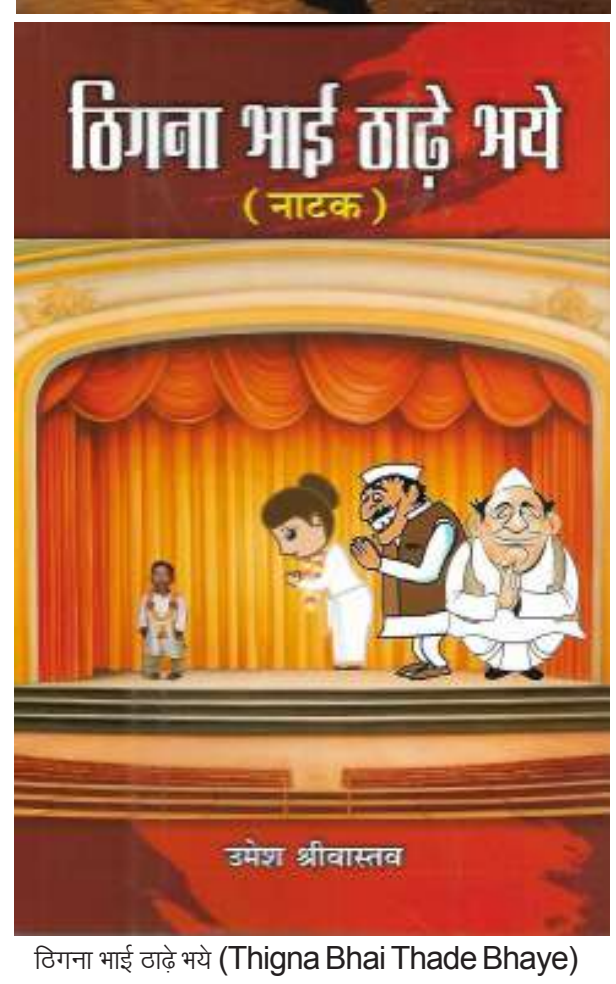

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान के भाईजान को भारत ने नहीं दिया भाव, अब संबंध सुधारने की कोशिशें कर रहा तुर्किये

सिंगापुर, एजेंसी। कश्मीर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के मामले तक तुर्किये हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर

आया है। इसके चलते भारत के साथ तुर्किये के संबंध बिगड़े हैं। हालांकि, तुर्किये के रुख में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है, लेकिन अब वह भारत से संबंधों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। तुर्किये ने कहा कि हम इकलौते देश नहीं हैं, जिसके पाकिस्तान के साथ अच्छे और भाईचारे के संबंध हैं, दुनिया में ऐसे संबंधों वाले अन्य देश भी हैं। सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के कार्यक्रम में बुधवार (तीन जून) को तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भारत आग्रह किया कि वे अंकारा और नई दिल्ली के संबंधों को पाकिस्तान को सामने रखते हुए न देखे। वहीं, उन्होंने पाकिस्तान के साथ तुर्किये के संबंधों के बचाव में भी दलीलें दीं। भारत के संबंधों को सुधारने की दिशा में कदम हकान फिदान ने इस बात पर जोर दिया कि तुर्किये के पास भारत के साथ अच्छे संबंध रखने की पर्याप्त वजह हैं। फिदान ने कहा कि भारत के साथ तुर्की का कोई भी द्विपक्षीय विवाद नहीं है। भारत के साथ हमारा कोई बुरा इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा, श्कुछ मुद्दों पर रूस के साथ, कुछ मुद्दों पर अमेरिका के साथ, कुछ मुद्दों पर कुछ यूरोपीय देशों के साथ हमारे मतभेद हैं, लेकिन हम एक नकारात्मक मुद्दे को अलग करके सकारात्मक एजेंडा पर आगे बढ़ सकते हैं। मेरा मानना है कि तुर्किये और भारत के बीच भी यही होना चाहिए। तुर्किये के विदेश मंत्री की ये दलीलें ऐसे समय में सामने आई हैं, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अंकारा की ओर से पाकिस्तान की खुलकर मदद करने की बात जगजाहिर हो चुकी है। तुर्किये ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को आत्मघाती ड्रोन इहा की बड़ी खेप दी थी। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र से लेकर कई सार्वजनिक मंचों पर तुर्किये की ओर से पाकिस्तान की तरह ही कश्मीर राग अलापा गया है। भारत ने कैसे दिया सख्त जवाब? गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर उतरने के बाद भारत के साथ तुर्किये के संबंध ठंडे बस्ते में ही रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने पिछले साल राजधानी में आयोजित तुर्किये के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग नहीं लिया, जिससे अंकारा के प्रति नई दिल्ली की नाराजगी स्पष्ट होती है। हालांकि, अप्रैल 2026 में दोनों देशों ने 12वीं विदेश कार्यालय परामर्श बैठक (एफओसी) आयोजित की, जिससे संबंधों में संभावित सुधार का संकेत मिला। भारत–तुर्किये के बीच तनाव के चलते नई दिल्ली ने साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। साइप्रस का तुर्किये के साथ 1974 से ही क्षेत्रीय विवाद चला आ रहा है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा साइप्रस की थी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स भी पिछले महीने नई दिल्ली आए थे और इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया था।

US कर रहा कानून का उल्लंघन?: ट्रंप की 'नार्को–टेररिस्ट' नीति पर सवाल, 207 लोगों की मौतों के बाद बढ़ी आलोचना

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित तौर पर ड्रग्स की तस्करी कर रही एक नाव पर हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन लैटिन अमेरिका में कथित ड्रग तस्करों के खिलाफ कई महीनों से अभियान चला रहा है। कहां किया गया हमला? अमेरिकी दक्षिणी कमान के अनुसार, यह हमला उन समुद्री मार्गों पर किया गया जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि सेना ने यह साबित करने के लिए कोई सार्वजनिक सबूत पेश नहीं किया कि नाव वास्तव में मादक पदार्थ ले जा रही थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में नाव को तेज रफ्तार से जाते हुए और फिर विस्फोट के साथ आग की लपटों में घिरते देखा गया। अब तक कितनों की हो चुकी है मौत? रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर की शुरुआत से अमेरिका जिन लोगों को नार्को–टेररिस्ट बता रहा है, उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों में अब तक कम से कम 207 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति ट्रंप का इन अभियानों को लेकर क्या कहना है? राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है और ये हमले अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी तथा ओवरडोज से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जरूरी हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

सोनिया के दबाव, राहुल के आरोप और वसुंधरा से दोस्ती पर बोले ललित मोदी, 'भगोड़ा' ठप्पा पर राय क्या?

लंदन, एजेंसी। ललित मोदी ने सोनिया गांधी और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (न्च।) की तत्कालीन सरकार के कार्यकाल में गुजारे गए दिनों को याद किया है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने लोकसभा में वर्तमान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के हमलों के अलावा राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे (भाजपा नेता) से दोस्ती पर भी बात की है। ललित मोदी ने देश से बाहर रहकर कानूनी कार्रवाई से भागने और श्भगोड़ेश का ठप्पा लगने को लेकर भी बेबाकी से राय जाहिर की। उन्होंने क्रिकेट के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुनून का भी जिक्र किया। दाऊद इब्राहिम, कांग्रेस सांसद थरूर, सुनंदा पुष्कर और वैभव को लेकर क्या बोले? दरअसल,

ललित मोदी कुछ दिनों पहले भी एक पॉडकास्ट के दौरान अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, कांग्रेस सांसद शशि थरूर की दिवंगत पत्नी सुनंदा पुष्कर और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया का ध्यान खींचने वाले वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन को लेकर भी बात की थी। अपनी हालिया बातों से सुर्खियां बटोर चुके ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। एक हफ्ते के भीतर 10–12 करोड़ रुपये खर्च! एक नए साक्षात्कार में उन्होंने महिला क्रिकेट, मीडिया जगत के दिग्गज रूपर्ट मर्डोक के अलावा अपने शुरुआती दिनों में एक हफ्ते के भीतर 10–12 करोड़ रुपये खर्च कर डालने जैसे विलासितापूर्ण जीवन पर की गई बातों को लेकर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने इस इंटरव्यू के दौरान किन बातों पर चर्चा की है? इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले चेयरमैन ललित मोदी ने दावा किया है कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने आईपीएल जैसे क्रिकेट टूर्नामेंट बनाने के उनके विजन पर भरोसा किया था। उन्होंने कहा कि राजे ने क्रिकेट के साथ उनके काम को देखा था। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ इस विशेष साक्षात्कार में ललित ने कहा, उन्होंने जो बनाया, आज 18 साल के बाद वह (आईपीएल) पूरी दुनिया के लिए संतोषजनक, सुखद और मनोरंजक है।

उन्होंने यह भी बताया कि आईपीएल के कारण बीसीसीआई को अधिक ताकत मिली है। मोदी के अनुसार, वसुंधरा राजे शुरुआत से ही उनके विजन में विश्वास करती थीं। उन्होंने कहा, श्हम दोस्त थे। उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले से मोदी परिवार और राजे परिवार के पुराने संबंध थे। ललित मोदी ने कहा कि जब तक उन्होंने भारत नहीं छोड़ा, तब तक किसी ने उनका पीछा नहीं किया। आईपीएल के लिए उन्हें कभी नहीं घेरा गया। आज की पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट के बारे में नहीं जानती, वे केवल आईपीएल जानते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीसीसीआई को आईपीएल के कारण शनिश्चित रूप से अधिक ताकत मिलीश है। गौरतलब है कि ललित मोदी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। 2013 में बीसीसीआई ने उन्हें श्अनुशासनहीनता और कदाचारश के आरोपों में आजीवन प्रतिबंधित कर दिया था।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी, सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

एजेंसी/ दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला–जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (च्च्च्) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग–राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया। राष्ट्रपति ली

के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है। सियोल पर किसने जीत हासिल की?

हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन–ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से–हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की। जीत के बाद ओह से–हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन–ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही? इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग–हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग–हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पूरा हुआ': मार्को रूबियो का दावा– खत्म हुआ ईरान युद्ध, अमेरिका ने हासिल किए अपने लक्ष्य

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त हो चुका है, जबकि क्षेत्र में अब भी घातक हमले जारी हैं। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के समक्ष रूबियो ने कहा कि हम अब ईरान के भीतर उसकी सैन्य क्षमता को कमजोर करने के लिए लगातार

हमले नहीं कर रहे हैं, क्योंकि श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश खत्म हो चुका है। अमेरिका और इस्राइल के इस युद्ध को वॉशिंगटन ने ष्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीष नाम दिया था। 28 फरवरी को ईरान पर पहले हमले के बाद से यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों को निशाना बनाया और खाड़ी के तेल और गैस परिवहन के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया। रूबियो ने कहा कि अमेरिका ने अपने सभी सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उनके अनुसार, ईरान के रक्षा औद्योगिक ढांचे को नष्ट किया गया, उसके मिसाइल लॉन्चरों और ड्रोन भंडार को भारी नुकसान पहुंचाया गया, जबकि उसकी बची हुई वायुसेना और पारंपरिक नौसेना को भी खत्म कर दिया गया। डेमोक्रेट सांसदों ने रूबियो के दावे का किया विरोध हालांकि, डेमोक्रेट सांसदों ने रूबियो के इस दावे का विरोध किया और कहा कि संघर्ष अभी भी जारी है। बुधवार को ईरान ने कुवैत के हवाई अड्डे पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 63 लोग घायल हो गए। इसे संघर्ष में बड़ा उछाल माना जा रहा है। वहीं, बहरीन में भी रातभर ईरानी ड्रोन हमले हुए। बहरीन और कुवैत दोनों देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद सारा जैकब्स ने रूबियो से कहा कि आप ऑपरेशन का नाम बदल सकते हैं, लेकिन इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है और हमारे सैनिक अब भी खतरे में हैं। सुनवाई के दौरान रूबियो ने ईरान के साथ चल रही वार्ताओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बातचीत का केंद्र ईरान के उच्च स्तर तक संवर्धित यूरेनियम का भंडार है और तेहरान ने अभी तक किसी शांति समझौते पर सहमति नहीं दी है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने लगभग हथियार–स्तर के संवर्धित यूरेनियम को सौंप दे, अपने परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण स्वीकार करे और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल दे। रूबियो ने कहा कि इन मुद्दों पर दस्तावेजों का आदान–प्रदान हुआ है, लेकिन बुधवार सुबह तक ईरानी पक्ष से अंतिम मंजूरी नहीं मिली थी। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर गंभीर बातचीत शुरू करने से पहले 12 अरब डॉलर की जमी हुई संपत्तियों को जारी किए जाने की मांग करता है। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी को भी खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अंततः नष्ट कर दिया जाएगा।

इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम पर सहमति, हिज्बुल्ला पर लगाई दो शर्तें, क्या सुधरेंगे हालात?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद इस्राइल और लेबनान युद्धविराम लागू करने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि यह सहमति इस शर्त पर आधारित है कि हिजबुल्लाह पूरी तरह से गोलीबारी बंद करेगा और दक्षिणी लेबनान से अपने सभी लड़ाकों को हटाएगा। बुधवार को जारी एक संयुक्त बयान में इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता का जिक्र किया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब इस्राइली सरकार की ओर से लेबनान में संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनियां जारी की थीं। यह मुद्दा अमेरिका और ईरान के बीच समानांतर रूप से चल रही वार्ताओं को भी प्रभावित कर सकता था। वहीं, इस समझौते के सामने आने के बाद पश्चिम एशिया की नाजुक सुरक्षा स्थिति सुधरने की उम्मीद जताई जा रही है। नौ घंटे चली युद्धविराम समझौते की वार्ता इससे पहले मौजूदा युद्धविराम के बावजूद इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच लगातार हमले और जवाबी हमले होते रहे हैं।अमेरिकी विदेश विभाग में बुधवार को हुई गहन वार्ता लगभग नौ घंटे तक चली। इससे पहले मंगलवार को भी पूरे दिन प्रारंभिक बातचीत हुई थी। दोनों पक्षों ने सहमति जताई है कि वे 22 जून वाले सप्ताह में राजनीतिक और सुरक्षा स्तर की वार्ताओं को फिर से शुरू करेंगे, ताकि व्यापक समझौते की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। इस बीच अमेरिका दोनों पक्षों के बीच संवाद बनाए रखने में मदद करता रहेगा।

इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले– बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर (पाकिस्तान),एजेंसी। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक–ए–इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप

लगाया है। विधायकों ने की आपात बैठक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है। पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे? विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की। नाराज नेताओं ने क्या मांग की? नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की। कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे।वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान–अधिकृत गिलगित–बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ईरान युद्ध पर ट्रंप को झटका: अमेरिकी संसद से सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव पारित, रिपब्लिकन ने भी दिया साथ

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।